राघव चढ्ढा के किस तरफ बढ़ रहे... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी... 11

वर्ष - 02, अंक - 06 | गाजियाबाद / शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण संशोधन ड्राफ्ट को केंद्र की मंजूरी

इसी महीने पारित होने की संभावना

- पीएम बोले- यह भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें इस संशोधन बिल को पारित किए जाने की संभावना है। संसद

से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा, और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

प्रस्ताव के मुताबिक आरक्षण 'वर्टिकल' आधार पर लागू होगा, यानी अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए हिस्सा तय किया जाएगा। इस बिल को लेकर पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट पर एक आर्टिकल पब्लिश किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि महिला रिजर्वेशन एक्ट में प्रस्तावित बदलाव सिर्फ एक कानूनी काम नहीं, बल्कि यह पूरे भारत की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों की झलक है।

बिना ड्राइवर के दौड़ेगी जयपुर मेट्रो

4 चरणों में बनेगा फेज-2 कॉरिडोर

जयपुर (एजेंसी)। पिंकसिटी की रफ्तार को नया पंख मिलने वाला है। केंद्र सरकार की ओर से जयपुर मेट्रो फेज-2 के लिए 42.80 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर को मंजूरी मिलने के साथ ही शहर के यातायात परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। 3,037.66 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत वाले इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि जयपुर की यह नई मेट्रो 'ड्राइवरलेस' होगी। **चार चरणों में होगा निर्माण: सबसे पहले 12 किमी की लाइन-** राजस्थान मेट्रो रेल

कॉर्पोरेशन ने इस मेगा प्रोजेक्ट को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए इसे चार चरणों में बांटने का निर्णय लिया है। प्रथम चरण- सबसे पहले टोंक रोड पर प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक करीब 12 किलोमीटर का रूट तैयार किया जाएगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया वर्तमान में विचाराधीन है। अन्य चरण- दूसरे चरण में सीकर रोड (टोडी मोड़) से अंबाबाड़ी तक और फिर शहर के बीच वाले इलाकों में काम शुरू होगा। पूरे प्रोजेक्ट को आगामी 5 साल (2031 डेडलाइन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीबीटीसी सिस्टम से संचालित होगी ट्रेन- जयपुर की मेट्रो-2 अत्याधुनिक सीबीटीसी प्रणाली से लैस होगी। यह तकनीक ट्रेन को बिना मानवीय हस्तक्षेप के सुरक्षित दूरी बनाए रखने और सटीक स्टेशन स्टॉपिंग की सुविधा देती है।

भारत से पहली क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक सर्जरी

मुंबई की कोकिलाबेन अस्पताल ने मस्कट में महिला की किडनी का ऑपरेशन किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ने वर्ल्ड हेल्थ डे 2026 पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉ. टी. बी. युवराजा ने मुंबई में बैठकर ओमान के मस्कट के मेडिकल सिटी अस्पताल में 55 साल की महिला का रोबोटिक किडनी ऑपरेशन किया। यह क्रॉस-बॉर्डर रिमोट रोबोटिक सर्जरी भारत से पहली बार मानी जा रही है।

यह सर्जरी एडवांस्ड 'मेडबॉट ट्युमाई' रोबोटिक सिस्टम और रियल-टाइम कनेक्टिविटी के जरिए की गई। डॉक्टर ने दूर बैठकर पूरे ऑपरेशन को कंट्रोल किया और सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की।डॉ. टी. बी. युवराजा ने मेडबॉट ट्युमाई के जरिए मुंबई से मस्कट में महिला की किडनी की सर्जरी की। कोकिलाबेन अस्पताल में यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. टी. बी. युवराजा ने कहा कि यह हेल्थकेयर में बड़ा बदलाव है। उनके मुताबिक अब मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे देश जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि डॉक्टर ही तकनीक के जरिए मरीज तक पहुंच सकेंगे।

उन्होंने बताया कि उनके पास 4200 से ज्यादा रोबोटिक सर्जरी का अनुभव है और यह उपलब्धि सिर्फ एक सफल ऑपरेशन नहीं, बल्कि भविष्य की हेल्थकेयर व्यवस्था का संकेत है। इससे दुनिया भर में इलाज की पहुंच आसान हो सकती है।

अस्पताल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और CEO डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा कि यह उपलब्धि अस्पताल की तकनीकी क्षमता और पहले किए गए रिमोट ऑपरेशन के अनुभव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस बार भारत की क्लिनिकल क्षमता को मस्कट के कैंसर मरीज तक पहुंचाया गया।

अस्पताल के मुताबिक, यह सर्जरी सभी जरूरी नियमों के तहत की गई। इसमें सीडीएससीओ की गाइडलाइंस का पालन किया गया, ताकि सुरक्षा, नैतिकता और क्लिनिकल स्टैंडर्ड बनाए रखें।

- सबरीमाला केस की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली

कई मंदिरों में प्रसाद के रुप में शराब दी जाती है, कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की बुधवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई कर रही है। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन- धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

सीजेआई बोले- हर सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता- वैद्यनाथन - अनुच्छेद 32 (फंडामेंटल राइट्स की सुरक्षा) के तहत हर धार्मिक समूह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट जा सकता है।अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कोई कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है। तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यानी यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर कभी असर ही नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। असल में यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

बारामती में उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस

अजित पवार को श्रद्धांजलि के तौर पर लिया बड़ा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है।

इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है।दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है।

कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा। नामांकन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, इसलिए यह फैसला अहम माना जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि यह उपचुनाव अजित पवार के दुखद निधन के कारण हो रहा है, इसलिए पार्टी ने सम्मान के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया।

- बंगाल में पीएम मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल, कहा-

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। पहले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी।

आज उसी बीरभूम में परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रबींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें।

घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है।

अस्पताल की गलती से 3 मासूम बच्चों के सिर से उठ गया मां का साया, परिवार में मातम का माहौल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले से एक बेहद दुखद मामला सामने आया है, जहां एक साधारण ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

जिले के मेहरमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नैना देवी नाम की एक ग्रामीण महिला बंध्याकरण (ऑपरेशन) कराने गई थीं। यह फैसला उन्होंने अपने परिवार की भलाई के लिए लिया था, लेकिन यह उनके जीवन का आखिरी कदम साबित हुआ। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों से बड़ी गलती हो गई। उनका कहना है कि सर्जरी के समय शरीर की एक महत्वपूर्ण नस कट गई, जिससे नैना देवी की हालत लगातार बिगड़ती गई।

जब उनकी तबीयत ज्यादा खराब हुई, तो उन्हें पहले मेहरमा के एक निजी क्लिनिक में ले जाया गया, लेकिन वहां भी कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें भागलपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

असम, केरलम और पुडुचेरी में मतदान हुआ

पांडुचेरी में कांग्रेस-भाजपा समर्थक भिड़े

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी (एजेंसी)। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर 3 बजे तक असम में 75.91 प्रतिशत, केरलम में 62.71 प्रतिशत और पुडुचेरी में 72.40 प्रतिशत वोटिंग हुई थी

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे।केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर ए.के. एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से कहा- केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी।

वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की है। इसके बाद दोपहर में पत्नी के साथ जालुकवारी में वोट डाला।असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे।केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम पर संकट

- ट्रंप ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं, अब बातचीत का कोई मतलब नहीं : ईरान

ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने कहा कलेबनान में हमले जारी रहते हुए सीजफायर की बात मंजूर नहीं है।

ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है।वहीं, अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है।

ईरान होर्मुज से गुजरने वाले टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल टोल लगाया- ईरान होर्मजु स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल के जहाजों से हर बैरल पर 1 डॉलर टैक्स लेने की योजना बना रहा है। ईरान यह भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में चाहता है। यह खबर फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दी है।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड, फंसे 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

- राजस्थान में अप्रैल में सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फ गिरी, देश के 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

लखनऊ/शिमला/देहरादून/भोपाल (एजेंसी)। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है।

उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है।मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है। यह अप्रैल-मई (वैशाख) में आता है। इसके एक्टिव होने पर 50-100 किमी की रफ्तार से हवाएं चलती हैं, बारिश और ओले गिरते हैं।

अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी के नेटवर्क पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा, अब तक 12 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े आतंकी मॉड्यूल और देश के सबसे कुख्यात अंतरराष्ट्रीय विदेशी हथियार तस्कर शाहबाज अंसारी के पूरे नेटवर्क को खंगालने में दिल्ली पुलिस जुट गई है। अब तक इसके गिरोह से जुड़े उन 12 गुर्गे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जो नेपाल से विदेशी हथियार दिल्ली लाते थे और अंसारी के निर्देश पर देश भर में गैंगस्टरों, बुकी, सटोरिए, माफिया आदि को सप्लाई करते थे। अब पुलिस उन लोगों को पकड़ेगी जिन्हें इस गिरोह से हथियार मिले थे और उन्होंने उक्त हथियारों को कहां कहां इस्तेमाल किया है। अब तक अंसारी के रिसीवर ही पकड़े गए हैं। नेपाल के कुछ लोगों को पहचान की जा रही है जहां से अंसारी के गुर्गे हथियारों की डिलीवरी लेते थे। जो लोग पाकिस्तान से एयरपोर्ट पर हथियार लाने के बाद कस्टम आदि कार्यालय में अरेंज कराते थे। उन लोगों को भी पुलिस पकड़ने की कोशिश कर रही है।

गोरखपुर के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यात्रियों की सुविधा के लिए नई दिल्ली से गोरखपुर के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 05101 गोरखपुर से प्रत्येक शनिवार (11 अप्रैल से 11 जुलाई तक) को शाम 4 बजे चलकर अगली सुबह 7.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05002 नई दिल्ली से प्रत्येक रविवार (12 अप्रैल से 12 जुलाई) को सुबह 9.45 बजे चलकर रात 1 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

बेमौसम बारिश से फसलें तबाह, प्रति एकड़ 50 हजार मुआवजे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बेमौसम भारी बारिश और ओलावृष्टि से देहात क्षेत्र के किसानों की कटी और खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है। इसको लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सरकार से तुरंत राहत देने की मांग की है। देवेंद्र यादव ने कहा कि गेहूं, सरसों और सब्जियों की फसलें बर्बाद होने से किसान गंभीर आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने सरकार से प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा कि फसल बर्बादी का शीघ्र आकलन कर राहत राशि जारी की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से अब तक किसी भी मुआवजे की घोषणा नहीं की गई है, जिससे किसानों में निराशा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात की लगातार अनदेखी की जा रही है और यह रवैया किसान विरोधी है। देवेंद्र यादव ने कहा कि किसान अपनी मेहनत की फसल के नुकसान के बाद सरकार से उम्मीद लगाए बैठे हैं, ऐसे में सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, जिससे उनकी समस्याएं और बढ़ रही हैं। कांग्रेस नेता ने बढ़ती महंगाई को भी मुद्दा बनाते हुए कहा कि आम जनता और किसान दोनों ही आर्थिक दबाव झेल रहे हैं। उन्होंने सरकार से किसानों और गरीब वर्ग के हित में ठोस कदम उठाने की अपील की।

जहांगीरपुरी में अधूरे विकास कार्यों पर उठे सवाल, तेजी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहांगीरपुरी वार्ड संख्या 18 में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी के चेयरमैन एम एल भास्कर ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कार्यों में तेजी लाने की मांग की है। एम एल भास्कर ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के नाम पर केवल प्रचार किया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के पार्कों के पुनर्निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं, जिससे स्थानीय लोगों को सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि आई और जे ब्लॉक की मुख्य डिवाइडर सड़क का निर्माण कार्य पिछली दीपावली से अधूरा है। इसके अलावा बड़े नालों का निर्माण कार्य भी पिछले छह महीनों से रुका हुआ है। नालों को तोड़कर छोड़ देने से दुकानदारों और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। एम एल भास्कर ने निगम आयुक्त से मांग की कि क्षेत्र का निरीक्षण कर निष्पक्ष जांच कराई जाए और सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर निगम प्रशासन और पार्षद के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

मुंगेशपुर हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले की पुलिस ने मुंगेशपुर हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंद्रजीत उर्फ सुस्सा, सागर और मोंटी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह मामला बावाना क्षेत्र में एक खेत में मिले एक व्यक्ति के सड़े-गले शव से जुड़ा हुआ है। बाद में मृतक की पहचान प्रदीप के रूप में हुई, जो आरोपियों का परिचित बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की और विभिन्न पहलुओं पर काम किया। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमों ने लगातार छापेमारी की और तकनीकी निगरानी का सहारा लिया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहे थे और दूसरों के मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे थे, जिससे उन्हें पकड़ना चुनौतीपूर्ण हो गया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि मृतक प्रदीप आरोपियों के साथ मुंगेशपुर क्षेत्र में शराब पीने गया था, जिसके बाद वह लापता हो गया। बाद में उसका शव मिलने पर पुलिस ने व्यापक जांच अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने आरोपियों की गतिविधियों का पीछा करते हुए मुंबई और हरिद्वार तक उनकी लोकेशन का पता लगाया। अंततः सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने नरेला रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान हत्या में प्रयुक्त ईंट को मुंगेशपुर के कृषि क्षेत्र से बरामद किया गया है, जबकि वारदात में प्रयुक्त स्कूटी को पानीपत से बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य पहलुओं की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

साइबर ठगों पर बड़ी कार्रवाई, 113 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने 'ऑपरेशन सीवाई-हॉक-4' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े कई गिरोहों का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में कुल 57 मामलों में 113 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 303 शिकायतों को म्यूल खातों और मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा गया। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान लगभग 22 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ी रकम का पता चला, जिसे विभिन्न म्यूल खातों और ठगों के नेटवर्क के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। पुलिस की तत्परता के चलते 17 लाख रुपये की राशि लाभार्थी खातों में ही रोक दी गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 47 लाख 79 हजार रुपये नकद, एक लग्जरी कार, छह संगणक, 85 मोबाइल फोन, 11 पासबुक, 42 डेबिट कार्ड, 135 सिम कार्ड, एक वाई-फाई यंत्र और एक पैन कार्ड जब्त किया। इसके अतिरिक्त 488 लोगों से पूछताछ की गई तथा 164 नोटिस जारी किए गए। इस अभियान के तहत 23 नए प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं। इस ऑपरेशन में सबसे बड़ी सफलता हवाई टिकट धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ मिली। यह गिरोह दिल्ली, गोवा और मुंबई से संचालित हो रहा था और विशेष रूप से प्रवासी भारतीयों को निशाना बनाता था। पुलिस ने इसके मुख्य सरगना मृदुल जोशी को गिरफ्तार किया, जो दिल्ली के पटेल नगर और गोवा में फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। उसके साथ जुड़े अन्य सहयोगियों और म्यूल खातों के संचालकों को भी हिरासत में लिया गया। इस गिरोह से भारी मात्रा में नकदी, लग्जरी वाहन, मोबाइल उपकरण, संगणक, एटीएम कार्ड और फर्जी सिम कार्ड बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह सोशल माध्यमों और डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए लोगों को सस्ते हवाई टिकट का लालच देता था। तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से पुलिस ने विभिन्न डिजिटल साक्ष्यों, संदेशों और नेटवर्क का अध्ययन कर आरोपियों की पहचान की। इसके अलावा पुलिस ने फर्जी ऋण अनुप्रयोग से जुड़े एक अन्य गिरोह का भी पर्दाफाश किया, जिसमें छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह गिरोह विदेशी वर्चुअल नंबरों का उपयोग कर लोगों को ऋण देने का झांसा देता था और फिर उनके निजी डाटा का दुरुपयोग कर उन्हें धमकाता था। जांच में यह भी सामने आया कि धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को पहले म्यूल खातों में डाला जाता था और बाद में उसे आभासी मुद्रा में परिवर्तित कर लिया जाता था, जिससे उसका पता लगाना कठिन हो जाए।

एआई और इनोवेशन के दौर में तार्किक सोच ही असली ताकतः उपराज्यपाल

-गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में 26 हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, विकसित भारत के 'सारथी' बनेंगे आज के युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के 18वें दीक्षांत समारोह में गुरुवार को 26 हजार से अधिक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्रों को डिग्री और पदक प्रदान किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक यात्रा का समापन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में हजारों नई यात्राओं का शुभारंभ है। आज का युवा एक ऐसे दौर में कदम रख रहा है, जहां एआई और सस्टेनेबल इनोवेशन जैसी तकनीकें दुनिया को नया आकार दे रही हैं।

वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि छात्रों के वर्षों के कठिन परिश्रम, अटूट समर्पण और कड़े अनुशासन का प्रतिफल है। जीजीएसआईपीयू के पूर्वी कैंपस में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने छात्रों से आह्वान करते हुए कहा कि इस बदलते दौर में आपकी शिक्षा केवल डिग्रियों और किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप अनुकूलनशीलता, तार्किक सोच और इनोवेशन का साहस होना अनिवार्य है। गुरु गोबिंद सिंह जी की महान शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि ज्ञान न्याय और सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी शिक्षा को केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि न मानकर, इसे समाज और राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन प्रतिभाशाली युवाओं के हाथों में सुरक्षित है, जो अपने साहस, उद्देश्य और समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज स्नातक हो रहे युवा ही 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने वाले वास्तविक सारथी हैं। आपकी प्रतिभा और सामर्थ्य ही देश को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग न केवल व्यक्तिगत प्रगति के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा एआई, रोबॉटिक्स, डेटा साइंस और डिजाइन इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से अटल इन्क्यूबेशन सेंटर का उल्लेख करते हुए कहा कि 170 से अधिक स्टार्टअप्स को समर्थन देकर विश्वविद्यालय युवाओं को 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बना रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने दीक्षांत भाषण में कहा कि डिग्री लेकर आप जा रहे हैं तो जीवन में कितनी भी मुश्किल हो लेकिन कभी आपको हार नहीं माननी है। सच के साथ रहे तो असंभव भी संभव हो जाएगा। जीवन में देने वाला बनिये लेने वाला नहीं और रोने वाला तो बिल्कुल नहीं।

पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वालों में 70 फीसद महिलाएं

दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 26,649 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 22,932 स्नातक, 3,582 स्नातकोत्तर, 11 एमफिल और 124 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। इस वर्ष की सबसे गौरवशाली उपलब्धि पीएचडी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में महिलाओं की 70 प्रतिशत भागीदारी रही। इसके अतिरिक्त, 76 गोल्ड मेडल और 6 मेमोरियल अवॉर्ड्स भी मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए।

कुलपति ने प्रस्तुत की रिपोर्ट

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने नए कोर्स शुरू करने, नरेला में मिली भूमि और अन्य उपलब्धियों की यहां चर्चा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां फिल्म मेकिंग और स्टोरी राइटिंग का कोर्स शुरू करेंगे।

युवा ही विकसित भारत की शक्ति : सीएम रेखा गुप्ता

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जीजीएसआईपीयू के 18वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के 18वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले 26,000 से अधिक छात्रों को डिग्री और मेडल प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को सिद्ध करने वाली सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं की शैक्षणिक सफलता और नवाचार ही भारत को वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में आए क्रांतिकारी बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए बजट को बढ़ाकर 19,326 करोड़ रुपये कर दिया है। इस निवेश से न केवल शिक्षण संस्थानों का बुनियादी ढांचा सुधरा है, बल्कि कक्षाओं को आधुनिक और तकनीक-आधारित बनाया गया है ताकि छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा मिल सके। सीएम गुप्ता ने आगे कहा कि सरकार का प्राथमिक लक्ष्य युवाओं की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों के अनुसार आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दिल्ली सरकार छात्रों के कौशल विकास और तकनीक आधारित अवसरों को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. महेश वर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि और शिक्षाविद् भी मौजूद रहे।

नितिन गडकरी ने दिल्ली में छत्रपति शिवाजी महाराज इमर्सिव म्यूजियम का उद्घाटन किया, शौर्यगाथा से होंगे रूबरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में 'छत्रपति शिवाजी महाराज इमर्सिव मल्टी-डायमेंशनल म्यूजियम' का उद्घाटन किया। यह म्यूजियम अत्याधुनिक इमर्सिव टेक्नोलॉजी से लैस है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके वीर पराक्रम, युद्ध कौशल और ऐतिहासिक योगदान को अत्यंत जीवंत और इंटरैक्टिव तरीके से प्रदर्शित करता है। म्यूजियम जून 2025 में बनकर पूरी तरह तैयार हो गया था और अब आम जनता के लिए खुल चुका है। इसमें आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर शिवाजी महाराज के इतिहास को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उद्घाटन अवसर पर नितिन गडकरी ने कहा कि यह म्यूजियम दिल्ली में शिवाजी महाराज की विरासत को संरक्षित करने और लोगों को उनके साहस व नेतृत्व से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। म्यूजियम में विजिटर्स को शिवाजी महाराज के जीवन की विभिन्न घटनाओं को 3D, मल्टी-डायमेंशनल और इमर्सिव अनुभव के माध्यम से देखने और महसूस करने का मौका मिलेगा। यह म्यूजियम राजधानी में छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को करीब से समझने का एक अनोखा केंद्र बन गया है।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलोनी में सीवर व सफाई संकट, लोगों में भारी रोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के स्वामी श्रद्धानंद कॉलोनी, भवस्वा डेरी क्षेत्र में नालियों की सफाई और सीवर व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र में जलभराव, गंदगी और दुर्गंध की समस्या लगातार बनी हुई है।

मंगल बाजार गली नंबर 07 के आसपास लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण गलियों में गंदा पानी जमा है। इससे लोगों के आवागमन में बाधा आ रही है और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

आरोप है कि शिकायतों को संबंधित कर्मचारियों को सौंपे जाने के बावजूद न तो मौके पर कार्य किया गया और न ही शिकायतकर्ताओं से संपर्क किया गया। कुछ मामलों में बिना वास्तविक कार्यवाही के तस्वीरें अपलोड कर समस्या के समाधान का दावा कर दिया गया, जबकि जमीनी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

क्षेत्र में कई स्थानों पर नालियां कचरे से पूरी तरह जाम हैं और सीवर के ढक्कन खुले पड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। साथ ही, टूटी और असमान सड़कों ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। हालात ऐसे हैं कि कुछ स्थानीय लोग खुद सफाई करने को मजबूर हैं। इस संबंध में उमेश कुमार सिंह ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि नालियों की सफाई, सीवर ढक्कनों की मरम्मत और सड़कों के समतलीकरण का कार्य प्राथमिकता पर कराया जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यह जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन सकती है।

दिल्ली में बढ़ते जाम पर चिंता, ठोस योजना बनाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ती यातायात समस्या को लेकर वरिष्ठ नागरिक एवं पूर्व शिक्षक नेता डी.के. तिवारी ने सरकार से ठोस योजना बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि अब जाम की समस्या केवल सुबह-शाम तक सीमित नहीं रही, बल्कि दिनभर बनी रहती है। डी.के. तिवारी के अनुसार, दिल्ली में बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में लोगों का आना और यहीं बस जाना जनसंख्या दबाव को लगातार बढ़ा रहा है, जिससे बिजली, पानी और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सीमित भूभाग के कारण सड़कों का विस्तार संभव नहीं हो पा रहा, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने बताया कि फ्लाईओवर और अंडरपास बनने के बावजूद जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसके पीछे सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण तथा डीटीसी बसों की अपर्याप्त संख्या भी प्रमुख कारण हैं। यात्रियों को बसों के समय की जानकारी नहीं होने से वे निजी वाहनों का सहारा लेने को मजबूर हो जाते हैं। डी.के. तिवारी ने सुझाव दिया कि बस सेवाओं का संचालन मेट्रो की तरह समयबद्ध किया जाए, जिससे निजी वाहनों की संख्या कम हो सके। साथ ही, ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए यातायात पुलिस बल को बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने यह भी कहा कि नौकरीपेशा लोगों के लिए पूरे एनसीआर और आसपास के राज्यों में बेहतर यातायात सुविधा विकसित की जाए। साथ ही, बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए बिना किसी राजनीतिक लाभ के सख्त और प्रभावी नीति लागू करने की जरूरत है।

एनसीआर में फिलहाल मौसम में नहीं होगा बदलाव, वायु गुणवत्ता सूचकांक भी सुधरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एनसीआर में फिलहाल मौसम के मिजाज में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। अगले एक सप्ताह तक आसमान में हल्के बादलों के बीच सूरज की लुकाछिपी जारी रहने की संभावना जताई गई है।

दिन में धूप और बादलों का यह मिश्रण लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर देगा, वहीं सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक का एहसास भी बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आई गिरावट के कारण लोगों को मार्च के शुरुआती दिनों जैसा मौसम महसूस हो रहा है। तापमान में यह गिरावट अस्थायी राहत लेकर आई है, जिससे भीषण गर्मी की शुरुआत फिलहाल टलती नजर आ रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और हल्की हवाओं के कारण हो रहा है, जिससे तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे बना हुआ है। अगर तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। दिन में हल्की गर्मी महसूस होगी, लेकिन तेज लू जैसी स्थिति फिलहाल नहीं बनने की संभावना है।

वहीं, रात के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा। वहीं दूसरी ओर, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी फिलहाल संतोषजनक श्रेणी में बना हुआ है। विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 80 से 110 के बीच दर्ज किया गया है, जो 'मध्यम' से 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यह स्तर स्वास्थ्य के लिहाज से फिलहाल ठीक माना जा रहा है, हालांकि संवेदनशील वर्गों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम में स्थिरता और हल्की हवाओं के कारण प्रदूषण स्तर नियंत्रित बना हुआ है। यदि तेज हवाएं या बारिश होती है तो एक्यूआई में और सुधार संभव है। फिलहाल, आने वाले दिनों में मौसम के इसी तरह बने रहने और लोगों को राहत देने की उम्मीद जताई जा रही है।

जनकपुरी हादसा : पुलिस ने कोर्ट में 877 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गड्ढे में गिरकर एक युवक की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में रोहिणी की कोर्ट में 877 पन्नों का विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों में लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच के दौरान पुलिस ने जिन तीन आरोपियों को नामजद किया है उनमें केकेएसपीयूएन प्राइवेट इंडिया लिमिटेड के निलंबित निदेशक हिमांशु गुप्ता, उप ठेकेदार राजेश कुमार और एक मजदूर योगेश शामिल है। पुलिस के अनुसार हिमांशु गुप्ता उस परियोजना से जुड़े मुख्य ठेकेदार के तौर पर जिम्मेदार थे जबकि राजेश कुमार उप ठेकेदार के रूप में काम कर रहे थे। वहीं, योगेश को राजेश कुमार द्वारा निर्माण स्थल पर काम के लिए लगाया गया मजदूर बताया गया है। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे जिसके चलते यह दुखद हादसा हुआ। आरोप है कि जिम्मेदार लोगों ने आवश्यक सावधानियों का पालन नहीं किया, जिससे एक युवक की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी काफी आक्रोश देखने को मिला था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। जांच एजेंसियां इस घटना से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं। अगर आगे की जांच में किसी और की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी अदालत में पूरक आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक पुलिस द्वारा दाखिल आरोपपत्र के आधार पर अदालत में आगे की सुनवाई की प्रक्रिया जारी है।

दिल्ली सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सचिवालय को गुरुवार को एक ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जैसे ही अधिकारियों को इस बारे में जानकारी मिली, तुरंत पुलिस को सूचित किया गया और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। मौके पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमें पहुंचीं और पूरे परिसर की गहन तलाशी शुरू की गई। शुरुआती जांच में अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल घबराने जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस ईमेल में बम होने की बात कही गई थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई की। ईमेल में 'खालिस्तान' शब्द का इस्तेमाल किया गया था, जिसके चलते मामले को और गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह ईमेल किसने भेजा और इसके पीछे क्या मंशा थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही दिल्ली विधानसभा में सुरक्षा में बड़ी लापरवाही सामने आई थी। सोमवार (6 अप्रैल) को एक शख्स ने हाई सिक्योरिटी को तोड़ते हुए वीवीआईपी गेट से दिल्ली विधानसभा परिसर में घुस गया। इतना ही नहीं, इसके बाद वहां गाड़ी से उतरा और स्पीकर की गाड़ी के पास फूलों का गुलदस्ता रखा और बिना किसी रोक-टोक के निकल गया। बाद में उसकी पहचान सरबजीत सिंह के रूप में हुई, जिसे पुलिस ने कुछ घंटों के भीतर पकड़ लिया था। बताया जा रहा है कि वह व्यक्ति पीलीभीत से कार चलाकर पहले चंडीगढ़ और फिर दिल्ली पहुंचा था। उसने गेट नंबर 2 को तोड़कर विधानसभा परिसर में प्रवेश किया था। पुलिस ने उसे नॉर्थ दिल्ली से गिरफ्तार किया और उसकी कार भी जब्त कर ली। अदालत में पेश किए जाने के बाद उसे आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में यह जानने की कोशिश कर रही है कि उसके पीछे कोई साजिश तो नहीं थी और क्या इसमें कोई और भी शामिल है। साथ ही उसके मोबाइल की भी तलाश की जा रही है, जिसे उसने कथित तौर पर फेंक दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा है। वहीं, उसके वकील ने भी यही दलील दी कि वह इलाज करवा रहा है।

वैसाखी पर 409 श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना, गुरुधामों के करेंगे दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालसा साजना दिवस वैसाखी के अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने 409 श्रद्धालुओं के जत्थे को पाकिस्तान स्थित गुरुधामों के दर्शन के लिए रवाना किया। इस धार्मिक यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में हेड ग्रंथी ज्ञानी दिलबाग सिंह ने अरदास कर जत्थे की सुखद यात्रा की कामना की।

जत्थे को रवाना करने के दौरान महासचिव जगदीप सिंह काहलो और विदेश मामलों के सलाहकार परमजीत सिंह चंडोक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर मीडिया सलाहकार सुदीप सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

कमेटी पदाधिकारियों के अनुसार, देशभर से कुल 2840 श्रद्धालु इस धार्मिक यात्रा में शामिल हो रहे हैं, जिनमें से 409 श्रद्धालु दिल्ली से आज अमृतसर के लिए रवाना हुए। सभी श्रद्धालु 10 अप्रैल को वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करेंगे और गुरुद्वारा पंजा साहिब में वैसाखी का पावन पर्व मनाएंगे। इसके बाद 19 अप्रैल को जत्था भारत लौटेगा।

कमेटी ने इस बार यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। सभी श्रद्धालुओं के दस्तावेजों की गहन जांच के बाद ही वीजा प्रक्रिया पूरी की गई। जत्थे के संचालन की जिम्मेदारी हरजीत सिंह पप्पा और अनूप सिंह घुम्मन को सौंपी गई है।

कमेटी पदाधिकारियों ने बताया कि जिन श्रद्धालुओं को इस बार वीजा नहीं मिल सका, उनके लिए प्रार्थना की गई है कि उन्हें अगली बार गुरुधामों के दर्शन का अवसर मिले। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने मौजूदा तनावपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद श्रद्धालुओं को पाकिस्तान यात्रा की अनुमति प्रदान की।

गेम खेलते हुए 16 वर्षीय युवक की चाकू से वार कर हुई हत्या, पुलिस ने 2 बाल अपचारियों को लिया हिरासत में

मृतक- फैजान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के आर्य नगर में उस समय अफरा तफरी का माहौल हो गया जब 16 वर्षीय फैजान की मौत की सूचना लोगों को मिली। फैजान नईपुरा चौक के पास एक गेम पार्लर में गेम खेल रहा था। इसी दौरान दूसरे समुदाय से जुड़ा 14 वर्षीय युवक गेम पार्लर पर पहुंचा और उसने ताबड़तोड़ फैजान के ऊपर हमला करना शुरू कर दिया। फैजान को गंभीर घायल करके युवक मौके से फरार हो गया। फैजान को गंभीर हालत में गेम पार्लर में मौजूद लोग लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया। दिल्ली में उपचार के दौरान फैजान की मृत्यु हो गई। फैजान की हत्या के बाद उसके भाई ने थाना लोनी बॉर्डर पर शिकायती और उसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए दो बाल अपचारियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तार के लिए सीसीटीवी खंगालने शुरू किए और उसके बाद कार्यवाही शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो महीने पहले फैजान का परिवार थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के आर्य नगर में रहने के लिए आया था। यहां आने के बाद से ही दोनों युवकों के बीच विवाद होना शुरू हो गया था। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि जब फैजान गेम जोन में मौजूद था तो 14 वर्षीय युवक उसके पास पहुंचा और ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसे ज़ख़्मी कर दिया। फैजान को जख्मी करके युवक मौके से फरार हो गया। फैजान की मौत की सूचना सुनते ही परिजन और रिश्तेदारों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की मांग की है।

एबीईएस कॉलेज में रक्तदान शिविर, 150 यूनिट रक्त संग्रह

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ए.बी.ई.एस. कॉलेज में रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफायर के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए करीब 150 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ नीरज गोयल, शाश्वत गोयल और प्रो. आलोक चौहान ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डीजी रोटेरियन अमिता मोहिंद्रू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में रिया गोयल, पूर्ति बंसल, अल्का गर्ग और मिली गोयल सहित क्लब के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। एनएसएस फैकल्टी देवेंद्र कुमार मिश्रा ने रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं को ऐसे सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर को सफल बनाने में एनएसएस स्वयंसेवकों कोमल, विहान सहित अन्य छात्रों का विशेष योगदान रहा।

ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली सेनेटरी सामान का खेल बेनकाब

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली पैकिंग में सेनेटरी सामान बेचने के बड़े फजीवाड़े का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक दुकानदार को गिरफ्तार करते हुए उसके गोदाम से करीब 20 लाख रुपये का नकली माल बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिलखुवा के मोहल्ला बजरंगपुरी स्थित वाणिक उद्योग में संचालित गोदाम में लंबे समय से नकली सेनेटरी सामान तैयार कर बाजार में सप्लाई किया जा रहा था। सेरा कंपनी के अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गोदाम पर छापेमारी की। छापे के दौरान मौके से भारी मात्रा में खाली ब्रांडेड रैपर, गत्ते के डिब्बे, पैकिंग सामग्री, वारंटी स्टिकर और एमआरपी स्लिप बरामद हुईं। इनका इस्तेमाल असली कंपनी के नाम पर नकली सामान तैयार कर ग्राहकों को गुमराह करने के लिए किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि टोटी और पाइप जैसे उत्पादों को नकली पैकिंग में भरकर बाजार में बेचा जा रहा था, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की जा रही थी। कंपनी के मैनेजर मनीष जिंदल ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में इस बड़े फजीवाड़े का पदार्फाश हुआ है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

युवा व्यापारी सचिन गुप्ता बने भाजपा नगर उपाध्यक्ष

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से हापुड़ नगर दक्षिणी मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित की है। जिलाध्यक्ष कविता माधरे द्वारा जारी सूची में युवा व्यापारी नेता सचिन गुप्ता को नगर उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सचिन गुप्ता, जो सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं, के मनोनयन से कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

नई जिम्मेदारी मिलने पर सचिन गुप्ता ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा दिए गए विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को और मजबूत करेंगे। उनके मनोनयन पर कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी, जिनमें अमित शर्मा, हीरा लाल कैन, सुधीर गोयल, जय प्रकाश, जय कुमार वर्मा, अरुण गर्ग, विवेक गर्ग एडवोकेट, राजेश जैन, सुलभ गोयल, अविन गोयल, केशव माहेश्वरी, आयुष शर्मा और विवेक अग्रवाल सहित अनेक लोग शामिल रहे।

नामित पार्षदों ने नगर आयुक्त से क्षेत्र में विकास कार्य करने का रखा प्रस्ताव

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर नामित पार्षदों ने नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से मुलाकात की। नगर आयुक्त ने सभी नामित पार्षदों को शुभकामनाएं दी तथा शहर के विकास कार्यों पर चर्चा की, जिसमे आंतरिक वार्डों में भी सफाई व्यवस्था के साथ-साथ अन्य कार्यों की मॉनिटरिंग को बढ़ाने के लिए सुझाव दिया। विशेष रूप से निर्माण विभाग तथा जलकल विभाग के कार्यों की मॉनिटरिंग बढ़ाने के लिए सुझाव दिए गए। नामित पार्षदों में अंकुश अरोड़ा, प्रदीप चौधरी, सुमन सिंह, सुनील यादव, परमजीत सिंह, संजय रावत, श्याम शर्मा व अन्य पार्षद ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। सभी नामित पार्षदों द्वारा अपना परिचय देते हुए शहर में जनहित हेतु किए गए

कार्यों के बारे में भी बताया गया। नगर आयुक्त द्वारा निगम अधिकारियों तथा नामित पार्षदों को संयुक्त रूप से शहर हित में कार्य करने के लिए योजना बनाने के लिए भी कहा गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जनता दर्शन के दौरान नामित पार्षदों से भी बैठक हुई। गाजियाबाद नगर निगम में माननीय 100 पार्षदों के अलावा 10 नामित पार्षद भी शहर हित में कार्य करेंगे। आंतरिक वार्डों में विकास कार्यों में नामित पार्षदों की भी भागीदारी रहेगी। बैठक में उपस्थित नरेंद्र कुमार चौधरी मुख्य अभियंता निर्माण को भी सभी नामित पार्षदों द्वारा बताई जा रहे शहर हित के कार्यों को प्राथमिकता पर करने के लिए निर्देशित किया गया।

भंनेड़ा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, नियमों का पालन करने वालों को फूल देकर किया सम्मानित

बिजनौर (शिखर समाचार)। दिल्ली पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भंनेड़ा टोल प्लाजा पर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक प्रभावी और प्रेरणादायक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन पुलिस विभाग तथा एमएचएचपीएल (वर्टिस) की सामाजिक दायित्व टीम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति सजग करना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा। भंनेड़ा टोल प्लाजा स्थित एमएचएचपीएल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। जो चालक नियमों का सही ढंग से पालन करते पाए गए, उन्हें फूल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह पहल न केवल जागरूकता बढ़ाने वाली रही, बल्कि चालकों के मन में नियमों के प्रति सकारात्मक भाव भी उत्पन्न करने में सफल रही। इस तरह के सम्मानजनक व्यवहार से लोगों में नियमों का पालन करने की प्रेरणा मिलती है।

अभियान के अंतर्गत वाहनों पर परावर्तक स्टिकर भी लगाए गए, जिससे विशेष रूप से रात के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ सके और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है और ऐसे अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे। इस जागरूकता अभियान का संचालन भंनेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजना कार्यान्वयन इकाई मेरठ के परियोजना निदेशक अमित प्रणव, प्रबंधक (तकनीकी) साकेत मिश्रा, दल प्रमुख शहजाद शाहिद तथा मेरठ हरिद्वार राजमार्ग के परियोजना प्रबंधक गोविंद कुमार सैनी के मार्गदर्शन में किया गया। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं सुरक्षित रहे और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में सहयोग करे।

बिल्डर लॉबी का विरोध बेअसर: आवास विकास का वसुंधरा में महा अभियान, दो अवैध इमारतों पर गरजा बुलडोजर

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की वसुंधरा योजना में नियमों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ परिषद ने आज बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। भवन संख्या 11/372 और 5/745 में बिल्डरों द्वारा किए गए अवैध निर्माण को टीम निर्माण खण्ड 1 ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचकर ध्वस्त कर दिया।

नक्शा ताक पर, सरकारी जमीन पर था कब्जा

इन दोनों भवनों के निर्माणकताओं ने स्वीकृत नक्शे की मयार्दा को पूरी तरह लांघ दिया था। बिल्डरों ने न केवल पूर्ण सेट बैक को कवर कर लिया था, बल्कि सार्वजनिक उपयोग की 'डेड एंड' की भूमि को भी अवैध कब्जे में ले लिया था। परिषद की फील्ड यूनिट पिछले कई दिनों से इस निर्माण को रोकने का प्रयास कर रही थी, लेकिन बिल्डरों के रसूख और पुलिस बल की कमी के कारण बाधा आ रही थी।

बिल्डर लॉबी ने घेरा, टीम ने नहीं फेरा पैर

आज जैसे ही पुलिस फोर्स उपलब्ध हुई, परिषद की टीम ने मोर्चा संभाल लिया। कार्रवाई शुरू होते ही बिल्डर लॉबी ने लामबंद होकर टीम का रास्ता रोकने की कोशिश की और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन आवास विकास की टीम ने अदम्य साहस दिखाते हुए विरोध को धता बता दिया और 'ताबड़तोड़' तरीके से अवैध ढांचों को गिराना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बिल्डरों के अवैध मंसूबे मलबे में तब्दील हो गए।

अधीक्षण अभियंता अजय कुमार मित्तल का कड़ा रुख

कार्रवाई के पश्चात अधीक्षण अभियंता अजय कुमार मित्तल ने दो टूक शब्दों में भू माफियाओं को चेतावनी दी। उन्होंने कहा: आवास विकास परिषद की संपत्तियों और आवंटित भूखंडों पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण या मानचित्र के विपरीत निर्माण स्वीकार्य नहीं है। वसुंधरा में इन भवनों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण के आदेश पहले ही जारी हो चुके थे। बिल्डर लॉबी ने आज कार्रवाई में बाधा डालने का पूरा प्रयास किया, लेकिन हमारी टीम ने डटकर मुकाबला किया और अवैध हिस्से को ढहा दिया। भविष्य में भी ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि के खिलाफ हमारा अभियान शून्य सहनशीलता के साथ जारी रहेगा।

पुलिस हिरासत में युवक घायल प्रकरण: लापरवाही पर चार पुलिसकर्मी निलंबित, मुकदमा दर्ज होने की प्रक्रिया शुरू

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में घायल हुए युवक के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। घटना को लेकर पहले ही रालोद नेताओं और सैकड़ों ग्रामीणों ने निवाड़ी थाने का घेराव कर जोरदार हंगामा किया था, वहीं अब इस मामले में प्रशासन ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पतला कस्बे के निवासी सुभाष चौधरी का 32 वर्षीय पुत्र अमित कुमार 7 अप्रैल को अपने साथियों के साथ कथित रूप से शराब पी रहा था। इसी दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों के साथ कहासुनी के बाद अमित कुमार को हिरासत में लेकर निवाड़ी थाने ले जाया गया। इसके बाद उसे चिकित्सकीय परीक्षण के लिए मुरादनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जा रहा था।

बताया गया कि मुरादनगर पहुंचने पर पुलिस वाहन रुकते ही अमित कुमार अचानक उतरकर भागने लगा और

इसी दौरान वह एक ट्रक से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

घटना के विरोध में पतला नगर पंचायत अध्यक्ष रीता चौधरी, निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, अमरजीत सिंह और योगेंद्र पतला के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने निवाड़ी थाने पहुंचकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अमित पुलिस की पिटाई से घायल हुआ है और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी भास्कर वर्मा मौके पर पहुंचे और निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इस बीच अमित के पिता सुभाष चौधरी ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उनका पुत्र नशे में था तो उसे हवालात में बंद कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए थी, न कि इस तरह की घटना होती।

चार पुलिसकर्मी निलंबित, मुकदमा दर्ज होगा

ताजा अपडेट के अनुसार डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में निवाड़ी थाने और पतला पुलिस चौकी पर तैनात उप निरीक्षक लोकेंद्र, उप निरीक्षक शाहिद खान, हेड कांस्टेबल सचिन मोहन तथा कांस्टेबल नरेंद्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि घायल युवक के परिजनों से तहरीर प्राप्त कर ली गई है और इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने दोहराया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, सिंभावली पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई, जिसमें पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। पुलिस के अनुसार थाना सिंभावली में दर्ज मुकदमा संख्या 80/2026, धारा 333, 64(2)(एम), 351(2), 351(3) बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्त नितिन पुत्र बाबू राम, निवासी थाना सिंभावली, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को नवादा गांव के जंगल में स्थित पेट्रोल पंप के पास से दबोचा गया।

घटना में आरोपी पर आरोप है कि उसने घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक गौरव कुमार शर्मा और उपनिरीक्षक यशपाल सिंह शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

नगीना बार एसोसिएशन चुनाव: दीपक बिश्नोई अध्यक्ष, नईम अहमद महामंत्री निर्वाचित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। बार एसोसिएशन नगीना की वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी के लिए हुए चुनाव में दीपक बिश्नोई अध्यक्ष, नईम अहमद महामंत्री तथा नरगिस जहां कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गुरुवार को मुंसिफी बार हाल में एल्डर्स कमेटी के सदस्य राजेश शेखर, दिनेश थापन, मोहम्मद शाकिर और अरुण कुमार अग्रवाल की देखरेख में सुबह 9 बजे मतदान प्रारंभ हुआ, जो अपरान्ह 2 बजे तक चला। इसके बाद 3 बजे से मतगणना शुरू की गई। अध्यक्ष पद के लिए दीपक बिश्नोई और टीकम सिंह चौहान के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मतगणना के बाद दीपक बिश्नोई ने 182 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वी टीकम सिंह चौहान को 50 मतों से पराजित

दीपक विश्नोई अध्यक्ष ,नगीना

नईम अहमद, महासचिव

किया। टीकम सिंह चौहान को 132 मत प्राप्त हुए। महामंत्री पद पर नईम अहमद ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 30 मतों से हराकर जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद पर देवेंद्र कुमार 29 मतों के अंतर से विजयी घोषित किए गए। कोषाध्यक्ष पद पर नरगिस जहां ने 12 मतों से जीत हासिल की। इसके अलावा उपमहामंत्री प्रशासन पद पर अभिषेक बिश्नोई 37 मतों के अंतर से विजयी हुए, जबकि उपमंत्री पुस्तकालय पद पर इमरान अहमद निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और बार परिसर में एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला चलता रहा।

जलालपुर गाँव की बेटी निकिता शर्मा को संकल्प संस्था ने किया सम्मानित

नोएडा (शिखर समाचार)। संकल्प संस्था ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के जलालपुर गाँव निवासी वीर सिंह शर्मा की पुत्री निकिता शर्मा को PCS 2024 की परीक्षा पास करने पर उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया। निकिता ने परीक्षा में 24वी रैंक प्राप्त की है। गाँव पहुँचने पर ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों ने निकिता के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित पीताम्बर शर्मा ने की व मंच संचालन शिक्षाविद परमानंद कौशिक ने किया। संस्था के संस्थापक डॉ० भूपेन्द्र नागर व संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर ने कहा कि बेटियों को भी बेटों के समान शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराएं जाने चाहिए तभी समाज की प्रगति सम्भव है।

जन कल्याण माध्यमिक विद्यालय

रेवड़ा-रेवड़ी, गाजियाबाद सोसायटी द्वारा संचालित शिक्षण संस्था जन कल्याण पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रेवड़ी - रेवड़ा, मुरादनगर, गाजियाबाद।
पंजीकरण संख्या 1107/1973-74 पत्रावली संख्या: आई-30616

चुनाव सूचना / एजेण्डा दिनांक 09.04.2026

जन कल्याण माध्यमिक विद्यालय, रेवड़ा-रेवड़ी, गाजियाबाद सोसायटी की साधारण सभा के समस्त आजीवन / संरक्षक सदस्यों को सादर सूचित किया जाता है कि सोसायटी / विद्यालय की प्रबन्ध समिति का आगामी 5 वर्षो (पंचवर्षीय) के लिए निर्वाचन किया जाना है, जिसका चुनाव एजेण्डा / कार्यकम निम्नवत है-

क्र. सं.	दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम
1.	26.04.2026	रविवार	10:00 A.M. से 03:00 P.M.	आजीवन सदस्यता सूची को नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया जाना।
2.	28.04.2026	मंगलवार	02:30 P.M. से 05:00 P.M.	आजीवन सदस्यता सूची पर आपत्तियाँ एवं उनका निस्तारण।
3.	01.05.2026	शुक्रवार	10:00 A.M. से 02:00 P.M.	प्रबन्ध समिति के विभिन्न पदों पर चुनाव हेतु नामांकन।
4.	03.05.2026	रविवार	10:00 A.M. से 01:00 P.M.	नामांकन पत्रों की जाँच / परीक्षण किया जाना।
5.	05.05.2026	मंगलवार	02:30 P.M. से 05:00 P.M.	नामांकन पत्रों की वापसी।
6.	10.05.2026	रविवार	10:00 A.M. से 05:00 P.M.	मतदान।
7.	10.05.2026	रविवार	05:00 P.M.	शाम 05:00 बजे परिणाम घोषित करना।

नोटः- 1. चुनाव की समस्त कार्यवाही विद्यालय - जनकल्याण पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रेवड़ी-रेवड़ा, मुरादनगर, गाजियाबाद के प्रांगण में होगी।
2. चुनाव सोसायटी की संशोधित नियमावली के अनुसार होगा।

चुनाव अधिकारी
सोसायटी
जन कल्याण माध्यमिक विद्यालय, रेवड़ा-रेवड़ी, गाजियाबाद।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़े निर्देश, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति के सभापति अश्विनी त्यागी की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों और कार्यों की प्रगति का गहन परीक्षण किया गया। बैठक में शासनादेशों के शत-प्रतिशत अनुपालन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने समिति के सभापति एवं सदस्यों का ओडीओपी के अंतर्गत काष्ठ निर्मित उत्पाद तथा अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत आवास एवं शहरी नियोजन, आबकारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गृह, राजस्व, पंचायती राज, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, ऊर्जा, सहकारिता, नगर विकास, जल शक्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, परिवहन, समाज कल्याण, लोक निर्माण, ग्राम्य विकास, वन, औद्योगिक विकास, सिंचाई, खाद्य एवं रसद, नमामि गंगे, पर्यावरण, गन्ना विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, खनन, पशुधन, बाल विकास एवं पुष्टाहार सहित विभिन्न विभागों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

सभापति अश्विनी त्यागी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी कार्य शासनादेशों के अनुरूप ही किए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन किया जाए तथा शिलान्यास और लोकार्पण जैसे कार्यक्रमों में उन्हें अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए पत्रों का त्वरित निस्तारण करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी अवगत कराया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इसके लिए अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से निरंतर संवाद बनाए रखने और उनके अनुभवों का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही इस संबंध में जनप्रतिनिधियों को भी अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया। शिक्षा विभाग को नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ समय से विद्यार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। ऊर्जा विभाग को जिला विद्युत समिति की नियमित बैठक आयोजित करने के लिए कहा गया, वहीं लोक निर्माण विभाग को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक नियमित रूप से करने और सड़कों पर बने अवैध कटों को तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में जाकर छात्राओं को सुरक्षा और जागरूकता के प्रति प्रेरित करने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा गया।

बैठक में बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सभापति ने उनसे स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा उठाए गए प्रश्नों का अधिकारियों ने संतोषजनक उत्तर दिया है, लेकिन भविष्य में कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार लाना आवश्यक है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह ने आश्वासन दिया कि समिति द्वारा दिए गए सभी निदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

बैठक में समिति सदस्य वीरेन्द्र सिंह, पवन कुमार सिंह, महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, विधायक राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, किरत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछड़ा आयोग उपाध्यक्ष बोले- देश में पेट्रोल-गैस आसानी से उपलब्ध

गोपीगंज(एजेंसी)। मंडल क्षेत्र के अमिलौर ग्राम सभा में भाजपा के स्थापना दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत एक चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री स्तर) सोहनलाल श्रीमाली मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलित कर किया गया।चौपाल को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री सोहनलाल श्रीमाली ने भाजपा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनसंघ से लेकर जनता पार्टी और फिर भाजपा के संघर्षपूर्ण, बलिदानी और गौरवपूर्ण इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने पार्टी के 2 लोकसभा सांसदों से 303 तक पहुंचने और देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकार बनने की जानकारी दी।श्रीमाली ने केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक निर्णयों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और खाड़ी देशों में युद्ध के बावजूद, यदि शुरूआती घबराहट और विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों और उनके नेताओं व कार्यकताओं की जमाखोरी को छोड़ दिया जाए, तो वर्तमान में देश में ईंधन की कोई समस्या नहीं है।उन्होंने बताया कि आम जनता के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर पहुंच गए हैं या पहुंच रहे हैं। वहीं, दूसरे देशों में पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर लेने के लिए मानक तय कर दिए गए हैं, लॉकडाउन जैसी स्थिति है और महंगाई भी उच्च स्तर पर है।श्रीमाली ने कहा कि भारत में उत्पाद शुल्क कम किया गया, जबकि विश्व के कई देशों के ईंधन वाले मालवाहक जहाजों को हॉरमुज पार करने में दिक्कत हो रही है, मोदी सरकार की कूटनीति के कारण हमारे जहाज आ रहे हैं।

मुजफ्फरनगर पुलिस में बड़ा फेरबदल, 12 निरीक्षक उपनिरीक्षकों के तबादले

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जनपद के पुलिस विभाग में व्यापक प्रशासनिक बदलाव करते हुए 12 निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। जारी स्थानांतरण आदेश के तहत सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती दी गई है, जिससे कई थाना और चौकी क्षेत्रों में बदलाव हुआ है। इस फेरबदल के चलते खतौली, जानसठ, मंसूरपुर, चरथावल, भोपा, भौराकलां, खालापार और रतनपुरी समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पुलिस व्यवस्था प्रभावित हुई है। आदेश के अनुसार निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह को आईडीआरएस/पासपोर्ट सेल के साथ अग्रिम आदेश तक प्रभारी-112 की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक नरेश कुमार को लाडपुर खतौली चौकी से हटाकर अपराध शाखा में भेजा गया है। उपनिरीक्षक स्तर पर भी कई बदलाव किए गए हैं। अक्षय कुमार को थाना खतौली से सलारपुर चौकी (थाना जानसठ) भेजा गया है, जबकि विशाल राठी को कस्बा चौकी व थाना जानसठ से थाना मंसूरपुर तैनात किया गया है। अजय कुमार त्यागी को रतनपुरी से हटाकर थाना खतौली भेजा गया है। इसी क्रम में पंकज शर्मा को थाना चरथावल से कस्बा चौकी जानसठ, धर्मवीर सिंह को सलारपुर (जानसठ) से लाडपुर (खतौली) और शिव कुमार शर्मा को थाना भोपा से थाना चरथावल स्थानांतरित किया गया है। देवेंद्र सिंह को कचहरी सुरक्षा से पुलिस लाइन भेजा गया है। इसके अतिरिक्त अम्बा विहार चौकी, थाना खालापार और भौराकलां क्षेत्र की अन्य चौकियों में भी तैनाती में बदलाव किया गया है। पुलिस विभाग में इस प्रकार के तबादले आमतौर पर कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाते हैं।

प्राइवेट स्कूलों की लूट के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन का प्रदर्शन

बुलंदशहर (संवाददाता) बुलंदशहर में शिक्षा के नाम पर प्राइवेट स्कूलों की लूट के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन के जिला अध्यक्ष सुशील प्रधान के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं में कलम चौक से नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार राजपाल सिंह को सौंपा करप्शन फ्री इंडिया संगठन की कोर कमेटी के प्रमुख सदस्य चौधरी प्रेमराज भाटी एवं मलखान सिंह यादव ने बताया कि बुलंदशहर के विभिन्न कस्बा, ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर बड़े-बड़े प्राइवेट स्कूल संचालित है जो अपनी मनमर्जी से प्रत्येक वर्ष फीस वृद्धि कर अभिभावकों के साथ लूट कर रहे हैं। स्कूलों के द्वारा स्कूल के प्रांगण में ही जूते बेल्ट टाई,ड्रेस एवं पुस्तक बेचने की दुकान खोल रखी है जो बाजार रेट से कई गुना महंगी होती है। चौधरी प्रेमराज भाटी ने कहा कि जब सरकार के द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तके लागू है। वहीं अधिकतर प्राइवेट स्कूलों में प्राइवेट प्रकाशकों की पुस्तक लागू कर बड़ी एमआरपी पर किताबें बेची जा रही हैं।

नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : पंडित आदेश फौजी

मेरठ (शिखर समाचार)। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न अभियानों के अंतर्गत ग्राम/बस्ती चलो अभियान के तहत क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में नारी शक्ति के सम्मान और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान भाजपा नेता पंडित आदेश फौजी ने कहा कि आधी आबादी यानी नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है और उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।

कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत बुबकपुर, दबथुवा, कक्केपुर, भूनी और सरूरपुर खुर्द में भाजपा पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकताओं एवं मातृशक्तियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा पत्रक वितरित कर सम्मानित किया गया। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। पंडित आदेश फौजी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने नारी सशक्तिकरण को विकास की धुरी बनाया है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण देना केवल एक नीति नहीं, बल्कि सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जिसमें किसी भी प्रकार की देरी राष्ट्रहित के विरुद्ध होगी। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे नारी सशक्तिकरण के इस संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक मातृशक्ति तक सरकार की योजनाओं और प्रेरक विचारों को पहुंचाएं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरूरपुर खुर्द मंडल अध्यक्ष आदेश कसाना के आवास से किया गया, जहां 51 पदाधिकारियों की माताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष रामकुमार त्यागी, सचिन चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, अंकित पांचाल, अभिषेक शर्मा, रजनीश त्यागी, जितेंद्र गोस्वामी, वेदपाल गिरी सहित कई कार्यकताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, दीपक शर्मा, रूचिन त्यागी, पंकज शर्मा, योगेश गोस्वामी, जोनी चौधरी, रविंद्र कश्यप समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24 घंटे में 23.186 किलो दूध देने वाली ह्यसुनेहरीह्न बनी आकर्षण का केंद्र, देश में दूसरा स्थान

शामली (शिखर समाचार)। जनपद के कांधला कस्बे के निवासी युवा पशुपालक कुशांक चौहान की हरियाणा नस्ल की गाय 'सुनेहरी' इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। इस गाय ने 24 घंटे में 23 किलो 186 ग्राम दूध देकर न केवल उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है, बल्कि देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सुनेहरी की इस असाधारण उपलब्धि को देखने के लिए पिछले तीन दिनों से विभिन्न राज्यों से पशुपालक और पशु प्रेमी कांधला पहुंच रहे हैं। हर कोई इसकी देखभाल, खान-पान और दुग्ध उत्पादन क्षमता के बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहा है। पशुपालक कुशांक चौहान ने बताया कि वर्ष 2024 में वे राजस्थान के चारू क्षेत्र में गए थे, जहां उन्होंने एक साधारण किसान से हरियाणा नस्ल की इस गाय को खरीदा था। उस समय यह गाय लगभग 19 लीटर दूध देती थी। सामान्य चारा और दाना-पानी पर पाली जा रही इस गाय का नाम उन्होंने 'सुनेहरी' रखा। बेहतर देखभाल, संतुलित आहार और वैज्ञानिक प्रबंधन के चलते सुनेहरी ने तीसरी बियात में यह उल्लेखनीय रिकॉर्ड कायम किया। वर्तमान में सुनेहरी 24 घंटे में 23.186 किलोग्राम दूध दे रही है, जो इसे प्रदेश की शीर्ष और देश की दूसरी सबसे अधिक दूध देने वाली गाय बनाता है। यह गाय अब तक तीन बछियों को जन्म दे चुकी है। हाल ही में 2 मार्च को इसने एक स्वस्थ बछिया को जन्म दिया है। कुशांक चौहान के अनुसार, कान्हा फार्म्स के फेसबुक पेज पर सुनेहरी की छह बार लाइव दुग्ध दुहन (मिल्किंग) कराई जा चुकी है। इन लाइव सत्रों के दौरान दूध का वजन सार्वजनिक रूप से मापा गया, जिसमें 23.186 किलोग्राम उत्पादन की पुष्टि हुई। गाय की इस उपलब्धि पर कुशांक चौहान को विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित भी किया गया है। हरियाणा की बीआईएफए संस्था ने उन्हें 11 हजार रुपये नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने 21 हजार रुपये नकद, स्मृति चिन्ह तथा गाय के आभूषण स्वरूप पीतल की चेन भेंट कर उनका सम्मान किया। कुशांक चौहान की इस सफलता ने न केवल शामली जिले का नाम रोशन किया है, बल्कि पशुपालन के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। ह्यसुनेहरीह्न अब पशुपालकों के लिए प्रेरणा बन चुकी है, जो यह साबित करती है कि बेहतर देखभाल, पोषण और प्रबंधन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

संक्षिप्त डायरी

महोबा में स्कूल चलो अभियान रैली निकाली:छात्रों ने सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया

महोबा(एजेंसी)। जिले के चरखारी में नए शिक्षण सत्र की शुरूआत के साथ ही 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज, रिबई के छात्र-छात्राओं ने सहपाठी छात्रों और अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में बच्चों का प्रवेश कराने के लिए प्रेरित करने हेतु एक रैली निकाली। गुरुवार को प्रभारी प्रधानाचार्य शुभम् त्रिपाठी के नेतृत्व में यह जन जागरूकता रैली कॉलेज से शुरू हुई। इसे प्रभारी प्रधानाचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली बस स्टैंड, पाल मोहल्ला, पट्टीदार मोहल्ला, पटेरिया मोहल्ला, बाजार मोहल्ला सहित गांव के प्रमुख रास्तों से होते हुए मांझखोर, नरसिंहपुरा, बैंक, गढ़वापुरा, सक्सेनापुरा से गुजरी और वापस बस स्टैंड होते हुए कॉलेज पर समाप्त हुई।रैली के दौरान, छात्र-छात्राएं अपने सहपाठी छात्रों को सरकारी स्कूलों में नाम लिखवाकर शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे थे। वे अभिभावकों को भी शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अपने बच्चों का पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज, रिबई में प्रवेश दिलाने और जागरूक नागरिक होने का दायित्व निभाने के लिए प्रेरणादायक नारे लगा रहे थे।कॉलेज के शिक्षकों ने रैली के दौरान अभिभावकों को विद्यालय की विशेषताओं और शैक्षणिक गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय समय-समय पर सरकार के दिशानिदेशों के अनुसार छात्रों के शैक्षणिक भ्रमण कराता है। साथ ही, आधुनिक प्रयोगशालाओं में प्रयोगात्मक कार्य, आधुनिक कक्षाएं, विभिन्न खेल और शैक्षणिक प्रतियोगिताओं जैसे आयोजनों से छात्रों में प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास बढ़ाया जाता है। रैली के बाद, विद्यालय स्टाफ ने ग्राम रिवई, कीरतपुरा, काकुन, सिजौरा, बैहारी, रिहुनिया, नटर्रा, पंचमपुरा, कनेरा, सुदामापुरी, सन्तोषपुरा, चन्दौली और जरौली सहित अन्य गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान अभिभावकों से पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज, रिबई में कक्षा नौ में छात्र-छात्राओं का प्रवेश कराने की अपील की गई।चलो अभियान रैली एवं जन सम्पर्क में प्रभारी प्रधानाचार्य शुभम् त्रिपाठी, अनुज मिश्रा, आशीष कुमार, आजाद सिंह, कुलदीप गौतम, अभिषेक सोनी, दिलीप गौतम, प्रदीप कुमार, मंजीत सिंह गौतम, करन एवं संजय कुमार सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा। इसी प्रकार कबरई विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम सिंघनपुर बघारी में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (हाई स्कूल) में प्रधानाचार्य ब्रजपाल कुटार के दिशा निर्देशन में पूरे गांव में स्कूल चलो अभियान की रैली निकाल कर अभिभावकों को बच्चों का प्रवेश सरकारी कालेज में कराने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

मथुरा जंक्शन पर लापता बच्चा मिला:जीआरपी ने परिजन को सौंपा

मथुरा(एजेंसी)। जंक्शन जीआरपी पुलिस ने अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए एक नाबालिग बालक को मात्र 20 मिनट में सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। यह घटना मथुरा रेलवे स्टेशन परिसर में हुई, जहां बालक गुम हो गया था।जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने जीआरपी थाना मथुरा जंक्शन पर अपने नाबालिग पुत्र के रेलवे स्टेशन परिसर से गुम होने की सूचना दी। यह सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत हरकत में आ गई।थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल बालक की तलाश शुरू की। टीम ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने महज 20 मिनट के भीतर बालक को सुरक्षित ढूंढ निकाला। इसके बाद उसे उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम ने पूरी तत्परता और समन्वय के साथ काम किया।

शामली में रजत निर्वाल मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप का भव्य आगाज, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

शामली। (शिखर समाचार) क्रीड़ा भारती एवं शामली राइफल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शहर के एमएस फार्म में आयोजित आठवीं रजत निर्वाल मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एएसपी सुमित शुक्ला ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानसिक चेतना को भी जागृत करते हैं। खेलों के माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है और टीम भावना से सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों को मजबूती मिलती है। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन और समर्पण के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के पहले दिन शामली, मेरठ, पानीपत और बुलंदशहर के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एयर पिस्टल आईएसएसएफ जूनियर पुरुष वर्ग में शामली के जतिन निर्वाल ने 577/600 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि एयर पिस्टल आईएसएसएफ यूथ वर्ग में वंश चौधरी 570/600 अंकों के साथ अग्रणी रहे।

एयर राइफल आईएसएसएफ जूनियर बालिका वर्ग में कुरुक्षेत्र की यशिका ने 622.6 अंक प्राप्त कर बढ़त बनाई, वहीं एयर राइफल आईएसएसएफ जूनियर बालक वर्ग में शामली के युआक सरोहा 607.0 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे। इसके अलावा एयर राइफल एनआर यूथ बालक वर्ग में शामली के कनक सैनी ने 388/400 अंक प्राप्त कर अपने वर्ग में बढ़त बनाई।

प्रतियोगिता के तकनीकी संचालन में सूबेदार प्रशांत तोमर, एनआरएआई ज्यूरी मनोज तोमर, एनएसएनआईएस कोच तपन मलिक एवं नेशनल टेक्निकल ऑफिसर सिंपल चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संदीप पंवार प्रधान ने की, जबकि संचालन मुकेश चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संदीप चौधरी, अनिल शर्मा, राजन कुमार, उमेश कुमार, कमलबीर, नितिन वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र ब्रह्मचारी, अनुभव स्वामी, जयवीर मलिक, बाबूराम पंवार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 'विकसित उत्तर प्रदेश @2047' के तहत चयनित सुझावों के प्रभावी क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के अंतर्गत जनपद गौतमबुद्धनगर में चयनित तीन सर्वश्रेष्ठ सुझावों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के लिए जिन तीन प्रमुख क्षेत्रों के सुझावों को अनुमोदन मिला है, उनमें (1) सांस्कृतिक पर्यटन एवं सेवा आदान-प्रदान कार्यक्रम, (2) सूचना प्रौद्योगिकी एवं उभरती प्रौद्योगिकी (सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) तथा (3) आधारभूत संरचना विकास (परिवहन, नागरिक उड्डयन, लोक निर्माण एवं ऊर्जा) प्रमुख रूप से शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इन तीनों क्षेत्रों में जनपद के समग्र एवं संतुलित विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। यदि इन्हें योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जाए तो यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सांस्कृतिक पर्यटन एवं सेवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत एक अभिनव पहल शुरू करने के निर्देश दिए। इसके तहत ऐसे कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे, जिनके

माध्यम से देशी और विदेशी पर्यटक पर्यटन के साथ-साथ सामाजिक सेवा गतिविधियों में भी भाग ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पर्यटक अपने भ्रमण के दौरान एक दिन समाजसेवा के लिए समर्पित कर सकते हैं। इसमें गांव के बच्चों को शिक्षा देना, अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में सहयोग, ऐतिहासिक स्थलों की स्वच्छता, स्थानीय कारीगरों की मदद तथा वृक्षारोपण जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।

जिलाधिकारी ने योजना के प्रभावी संचालन के लिए ह्लसर्व एंड सी इंडियाह्व नामक एक ऑनलाइन मंच विकसित करने के निर्देश दिए। इस मंच के माध्यम से पर्यटक अपने भ्रमण स्थल के अनुसार सामाजिक या सांस्कृतिक गतिविधियों का चयन कर सकेंगे। इसके लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे पर्यटकों को उचित मार्गदर्शन मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस पहल से जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय समुदाय को आर्थिक और सामाजिक लाभ प्राप्त होगा तथा भारत की समृद्ध संस्कृति, सेवा भावना और ह्लअतिथि देवो भवःह्व की परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक सुझाव के लिए विस्तृत, व्यावहारिक एवं परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध ढंग से उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) प्रियंका, अपर जिला अधिकारी (भू अर्जन) बच्चू सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, ओएसडी ग्रेटर नोएडा एन. के. सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मीट व्यापारी लूटकांड का खुलासा: बाल अपचारी समेत 4 बदमाश गिरफ्तार, 62 हजार नकद बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी पुलिस ने जीटी रोड पर मीट व्यापारी से लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम में से 62 हजार रुपये, तीन चाकू और वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की है। एसीपी जितेंद्र कुमार के अनुसार पुलिस चिटहेरा नहर रोड स्थित बाईपास पुल के नीचे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कार में सवार रिहान उर्फ नानू (मेवों की चौपाल), समर (कटहेरा रोड), सादान (नई आबादी) और एक बाल अपचारी को रोका गया। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया गया। तलाशी में नकदी व चाकू बरामद होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें आरोपियों ने 6 अप्रैल की रात हुई लूट की वारदात कबूल कर ली। गौरतलब है कि सिकंदराबाद निवासी मोहम्मद आरिफ बाइक से लौट रहे थे, तभी बदमाशों ने ऑल्टो कार से टक्कर मारकर उन्हें गिरा दिया और चाकू से हमला कर करीब एक लाख रुपये लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

ईमानदारी की मिसाल: एक्सप्रेसवे पर गिरा लाखों का बैग, टोल कर्मियों ने लौटाया सकुशल

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे पर इंसानियत और ईमानदारी की एक बेहतरीन मिसाल सामने आई है। बुधवार को औरैया से दिल्ली जा रही एक प्राइवेट बस की डिग्गी से एक महिला का लाखों रुपये के कीमती सामान से भरा बैग जेवर टोल प्लाजा के पास गिर गया, जिसे टोल कर्मियों ने कड़ी मेहनत और पुलिस की मदद से खोजकर गुरुवार को महिला को सुरक्षित लौटा दिया।

जानकारी के अनुसार, औरैया के गांव चिमकनी निवासी संतोषी अपने पति सोनपाल के साथ दिल्ली जा रही थीं। बस के कंडक्टर ने उनका बैग बस की डिग्गी में रखा था, लेकिन जेवर टोल प्लाजा के पास डिग्गी ठीक से बंद न होने के कारण बैग रास्ते में गिर गया। जब महिला दिल्ली पहुंचीं तो बैग गायब देखकर उनके होश उड़ गए।

महिला की परेशानी को देखते हुए बस चालक कुंज बिहारी शुक्ला ने संवेदनशीलता दिखाते हुए 40 हजार रुपये हजार्ने के रूप में दे दिए और महिला के परिजनों का संपर्क नंबर भी ले लिया, ताकि बैग मिलने पर सूचना दी जा सके। उधर, टोल कर्मियों को एक्सप्रेसवे पर पड़ा बैग मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बस का नंबर ट्रेस किया। बस मालिक से संपर्क कर पीड़िता के परिवार तक पहुंच बनाई गई। गुरुवार को महिला और उनके पति को जेवर टोल प्लाजा बुलाया गया, जहां पुलिस और टोल अधिकारियों की मौजूदगी में बैग उन्हें सौंप दिया गया। बैग में रखे जेवरात और नकदी पूरी तरह सुरक्षित पाए गए। इस दौरान बस चालक भी मौके पर मौजूद रहा और पुलिस ने पीड़ितों से उसके दिए गए 40 हजार रुपये भी वापस दिलवा दिए। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आज भी समाज में ईमानदारी और मानवता जिंदा है।

पूर्व प्रधानाचार्य अनवर अली खान को भव्य विदाई, शिक्षा जगत के गणमान्य लोगों की रही गरिमामयी उपस्थिति

जेवर (शिखर समाचार)। कमर टेक्निकल इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य अनवर अली खान के सेवानिवृा होने पर एक मैरिज होम में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को अत्यंत आकर्षक और गरिमामयी रूप दिया गया, जिसमें विभिन्न जिलों से आए शिक्षाविदों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

समारोह में भोजन एवं जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर नायब तहसीलदार कुमार अब्दुल्ला, मोहम्मद इस्लाम, अशोक कुमार द्विवेदी, कॉलेज के प्रबंधक के.के. शर्मा, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. जितेंद्र सिंह, सुनील कुमार सहित अनेक शिक्षाविद उपस्थित रहे।

इसके अलावा सूरजपुर इंटर कॉलेज के जयवीर सिंह, प्रेम सिंह भाटी (जहांगीरपुर), जनता इंटर कॉलेज के कुलभूषण शर्मा, देवेंद्र पाल सिंह तथा दयानंदपुर इंटर कॉलेज के दिनेश कुमार समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षक भी समारोह में शामिल हुए। सभी अतिथियों ने अनवर अली खान को लोई एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया और उनके लंबे कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने उनके अनुशासन, कार्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां सभी ने उनके स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना की।

भारत विकास परिषद का दायित्व बोध कार्यक्रम संपन्न, नई टीम ने लिया सेवा का संकल्प

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के रेलवे रोड स्थित मोहन कुंज धर्मशाला में भारत विकास परिषद शाखा के सत्र 2026-27 का दायित्व बोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एन.के. शर्मा को अध्यक्ष और रवींद्र गोयल को सचिव मनोनीत किया गया, साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन कर अधिष्ठान समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीरज कुमार सिंह मौजूद रहे। नवनियुक्त अध्यक्ष एन.के. शर्मा ने कहा कि परिषद समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाती है। गरीब और जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा से वंचित बच्चों को सहयोग और जागरूकता फैलाना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने नई टीम के साथ निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर राजीव गोयल, कवित बंसल, मुक्ता अग्रवाल, तरुण शर्मा, राधेलाल गर्ग, राजकुमार आर्य, कपिल कुमार, विनोद गोयल, संदीप भाटी, टीकाराम शर्मा और कपिल अधाना सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

खतौली विधानसभा में रविदास मंदिरों व अंबेडकर भवनों का होगा सौंदर्यीकरण, सर्वे शुरू

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली विधानसभा क्षेत्र में स्थित रविदास मंदिरों एवं अंबेडकर भवनों के सौंदर्यीकरण और विकास को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके तहत क्षेत्र में विभिन्न स्थानों का आकलन शुरू कर दिया गया है। खतौली विधायक मदन भैया के स्थानीय कार्यालय पर उनके प्रतिनिधि करमवीर नगर ने ग्रामीणों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर योजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उन्होंने शासन द्वारा संचालित इस योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में पूरे प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से प्राथमिकता के आधार पर 10 स्थानों का चयन कर उनका विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। करमवीर नगर ने बताया कि इसी क्रम में क्षेत्र से संबंधित प्रस्ताव और समस्याओं को संकलित किया जा रहा है। उन्होंने कार्यालय पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों को एकत्र किया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों और प्रधानों ने अवगत कराया कि कुछ स्थानों पर कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं, जबकि अन्य प्रस्तावित कार्यों के लिए भी उन्होंने सुझाव दिए हैं। योजना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में उत्साह देखने को मिला। सभी ने इस पहल को क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस संबंध में ककराला निवासी कपिल मोतला और स्थानीय कार्यालय प्रभारी सुमित ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को योजना की जानकारी दी और अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की।

"ऑपरेशन शस्त्र" का बड़ा असर: एक साल में 2218 गिरफ्तार, 2170 अवैध हथियार बरामद

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे ह्लऑपरेशन शस्त्रह्व ने एक वर्ष के भीतर उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। 05 फरवरी 2025 से शुरू हुए इस अभियान के तहत पुलिस ने अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसते हुए बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। जारी आंकड़ों के अनुसार 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच परिक्षेत्र में कुल 2218 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जबकि 1876 मुकदमे दर्ज किए गए। इस दौरान 2170 अवैध शस्त्र और 3113 कारतूस बरामद किए गए हैं, साथ ही 07 अवैध शस्त्र फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया गया है। अभियान के अंतर्गत सख्त कार्रवाई करते हुए 45 अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट और 45 पर गुंडा एक्ट लगाया गया, 06 अपराधियों को जिलाबदर किया गया तथा 55 की हिस्ट्रीशीट खोली गई, वहीं 02 गैंग भी पंजीकृत किए गए हैं। जनपदवार कार्रवाई की बात करें तो मेरठ में सबसे ज्यादा प्रभावी कार्रवाई देखने को मिली, जहां 886 अभियुक्तों को अवैध

तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार कर 676 मुकदमे दर्ज किए गए तथा 786 अवैध शस्त्र और 1639 कारतूस बरामद किए गए। यहां 06 अवैध शस्त्र फैक्ट्रियों का भी खुलासा हुआ, जबकि 41 अभियुक्तों पर गैंगस्टर और 29 पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई तथा 17 की हिस्ट्रीशीट खोली गई। बुलंदशहर में 739 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 674 मुकदमे दर्ज किए गए, जहां से 745 अवैध शस्त्र और 765 कारतूस बरामद हुए। यहां 04 अभियुक्तों पर गैंगस्टर, 04 पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई हुई और 02 गैंग पंजीकृत किए गए, जबकि 23 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई। बागपत में 280 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 239 मुकदमे दर्ज किए गए, जिनसे 309 अवैध शस्त्र और 316 कारतूस बरामद हुए। यहां 01 अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया, 12 पर गुंडा एक्ट लगाया गया, 06 अपराधियों को जिलाबदर किया गया तथा 15 की हिस्ट्रीशीट खोली गई। हापुड़ में 313 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 287 मुकदमे दर्ज किए गए, जहां से 330 अवैध शस्त्र और 393 कारतूस बरामद किए गए। अभियान की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि इस वर्ष भी अभियान को और तेज किया जाए तथा विशेष रूप से सोशल मीडिया या बारात घरों में हथियार लहराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस का कहना है कि गोलीबारी की घटनाओं की रोकथाम के लिए परिक्षेत्र के सभी जनपदों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अपराधियों के खिलाफ इसी तरह कठोर कार्रवाई आगे भी जारी

सेक्टर स्तर पर मनाई जाएगी डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती : सिद्धार्थ सिंह

बिजनौर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार 14 अप्रैल को संविधान निमार्ता भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती प्रत्येक विधानसभा के हर सेक्टर स्तर पर धूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दिन कार्यकर्ता संविधान की रक्षा की शपथ लेंगे और डॉ अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। निवर्तमान जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर प्रत्येक बूथ पर समाजवादी पार्टी की मजबूत टीम का गठन करें और पार्टी के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी संभालें। अखलाक पप्पू के संचालन में आयोजित बैठक को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ रमेश तोमर, विधायक स्वामी ओमवेश, कपिल गुज्जर, धनंजय यादव, डॉ रहमान, डॉ शहबाज अली, नवाब मंसूरी, मदन लाल सैनी, दिनेश, प्रभा चौधरी, अफजाल लालू, अनुज मलिक, वीके कश्यप, रजत त्यागी, सलमान ओरंगजेब, डॉ सरफराज, डॉ इरफान मलिक, शहजाद आलम अंसारी, तरुण लांबा, नमन, फैजान प्रधान, सुहेल बाकर, राधा सैनी, फुरकान खां, महमूद कस्सार, कावेन्द्र तोमर, हाजी जावेद राइन, देवानंद भूईयार, सलमान खान, कसीम कुरैशी, इरशाद प्रधान और प्रमोद प्रधान सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

भाजपा स्थापना दिवस पर इंदिरापुरम में भव्य गोष्ठी, वरिष्ठ जनों का हुआ सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बुधवार को अभय खंड क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं द्वारा भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ जनों एवं बुद्धिजीवियों की सहभागिता रही, जहां पार्टी की विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम के दौरान संयोजक पार्षद हरीश कड़ाकोटी ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों और गणमान्य व्यक्तियों को शॉल व पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस पहल को क्षेत्र में सराहना मिली और पार्टी के प्रति सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र उपाध्यक्ष मोनिका पंडित उपस्थित रहीं। साथ ही मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष डॉ. जय श्री सिन्हा, महामंत्री देवाशीष दत्ता, शक्ति केंद्र संयोजक परेश्वर जुयाल, हर सिंह मेहता सहित कई अन्य कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना रहा।

13 अप्रैल को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर व्यापारियों की बैठक

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। संयुक्त व्यापार संघ संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष संजय मिश्रा के नवीन मंडी स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई। बैठक में आगामी 13 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में समिति के संरक्षक कृष्ण गोपाल मित्तल ने व्यापारियों से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भारी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जनपद के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें व्यापारियों की मजबूत उपस्थिति आवश्यक है। संरक्षक कृष्ण गोपाल मित्तल और अध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि नगर विधायक एवं स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल के विशेष आग्रह पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा केंद्र सरकार में मंत्री

जयंत चौधरी का मुजफ्फरनगर आगमन प्रस्तावित है। ऐसे में सभी व्यापारियों का दायित्व बनता है कि वे कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी सहभागिता दर्ज कराएं और अपने विचारों को सुनें। समिति पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से जनपद के समस्त व्यापारियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर मुख्यमंत्री के प्रति अपना समर्थन प्रदर्शित करें। बैठक में मुख्य संयोजक राकेश त्यागी, सरदार बलविंदर सिंह, सुनील तायल, शलभ गुप्ता, पवन वर्मा, विक्की चावला, अरुण प्रताप, सुरेंद्र मित्तल, राजकुमार कालरा, संयोजक तरुण मित्तल, जनार्दन विश्वकर्मा, अभिमन्यु मित्तल, विजय प्रताप सिंह, भूपेंद्र गोयल, सचिन शर्मा, रमन शर्मा, सुखबीर सिंह, रवि शर्मा, राघव मिश्रा, शिव कुमार सिंघल, अनिल सिंघल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विद्यालयों में चला सफाई अभियान

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026) के अंतर्गत नौवें दिन जनपद के विद्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार एवं खंड शिक्षा अधिकारी किरण यादव के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सफाई की गई। इस दौरान विद्यालय के सभी अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि नियमित सफाई अपनाकर कई संचारी रोगों से बचाव संभव है। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के प्रति भी प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य न केवल विद्यालयों को स्वच्छ बनाना है, बल्कि बच्चों के माध्यम से समाज में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है, ताकि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

संपादकीय

बंगाल में सियासी संग्राम तेज : प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार और ममता बनर्जी के सामने चुनौती

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर तीखे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। 9 अप्रैल 2026 को आयोजित एक बड़ी चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और "हर गुंडागर्दी का चुन-चुनकर हिसाब होगा" जैसे सख्त शब्दों का इस्तेमाल किया। इस बयान ने न केवल चुनावी माहौल को गमार्या है, बल्कि यह संकेत भी दिया है कि भारतीय राजनीति में कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दे किस तरह केंद्र में आ चुके हैं। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस भी अपने बचाव और पलटवार की रणनीति में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी की इस जनसभा का मुख्य केंद्र राज्य में कथित हिंसा, राजनीतिक गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में लोकतंत्र खतरे में है और आम नागरिक भय के वातावरण में जी रहा है। इस प्रकार की भाषा और आरोप चुनावी रणनीति का हिस्सा होते हैं, लेकिन इसका प्रभाव केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह मतदाताओं के मनोविज्ञान को भी गहराई से प्रभावित करता है। इस जनसभा के फायदे की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी के लिए यह एक मजबूत कथा बनाने का अवसर है। कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे आम जनता से सीधे जुड़े होते हैं, और यदि पार्टी इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच स्थापित कर पाती है, तो उसे चुनावी लाभ मिल सकता है। मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता और उनकी आक्रामक शैली कार्यकताओं में ऊर्जा भरने का काम करती है। इससे संगठनात्मक स्तर पर भी मजबूती आती है और कार्यकताओं का मनोबल बढ़ता है। इसके अलावा, इस तरह की सभाएं समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में व्यापक चर्चा का विषय बनती हैं, जिससे पार्टी का संदेश तेजी से फैलता है। विशेषकर युवा मतदाताओं और पहली बार मतदान करने वालों पर इसका असर पड़ सकता है, जो बदलाव की राजनीति से आकर्षित होते हैं। भारतीय जनता पार्टी यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह बंगाल में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। हालांकि, इस रणनीति के कुछ नुकसान भी हैं। अत्यधिक आक्रामक भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कभी-कभी उल्टा असर भी डाल सकती है। बंगाल की जनता, जो अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को लेकर सजग मानी जाती है, बाहरी हस्तक्षेप या अत्यधिक आक्रामकता को नकार भी सकती है। ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को बंगाल की बेटी के रूप में प्रस्तुत किया है, और इस भावनात्मक अपील का असर कई बार चुनावों में दिख चुका है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह जनसभा एक चुनौती जरूर है, लेकिन साथ ही एक अवसर भी। वह भारतीय जनता पार्टी के आरोपों को राजनीतिक हमला बताकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर सकती है। ममता बनर्जी का जमीनी जुड़ाव और उनका संघर्षशील चेहरा अभी भी उनके पक्ष में एक बड़ा कारक है। वे भारतीय जनता पार्टी को बाहरी पार्टी बताकर क्षेत्रीय अस्मिता को मजबूत करने की रणनीति अपनाती रही हैं, जो बंगाल की राजनीति में कारगर साबित हुई है।

~ मौलिक चिंतन ~

इंसान पहले मन से बूढ़ा होता है, उसके बाद तन से।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

होम्योपैथी: मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी - लोकतंत्र का शुभसंदेश

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय कानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये बगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं
रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व कानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में कानून निमार्ता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाजी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी जरूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की जरूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निमार्ता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

अशोक मधुप

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया।

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है—एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाजा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हजारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दशार्ते हैं कि आधुनिक समाज कितना ₹असंवेदनशील₹ हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक ₹न्यूज अपडेट₹ की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थो की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है।

ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव हैः पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, ₹कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।₹ मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इजराइल, ईरान या अमेरिका—शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज पर बैठकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम ₹हथियारों की होड़₹ को छोड़कर ₹मानवता की जोड़₹ पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा, जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

कूटरचित दस्तावेजों से बनवाए शस्त्र लाइसेंस; एसपी के आदेश पर पूर्व प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में कूटरचित दस्तावेजों से शस्त्र लाइसेंस बनवाने के आरोप में एसपी के आदेश पर चक इटौली के पूर्व प्रधान प्रकाश चंद्र गुप्ता के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। गाजीपुर थाना क्षेत्र के चक इटौली निवासी संगम तिवारी की शिकायत पर कार्रवाई हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के पूर्व प्रधान प्रकाश चंद्र गुप्ता ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर राइफल और पिस्टल का शस्त्र लाइसेंस बनवाया है। इसकी शिकायत उन्होंने पांच माह पहले की थी। मामले की जांच एसपी ने सीओ जाफरगंज को दी थी। जांच पूरी होने के बाद शिकायतकर्ता संगम तिवारी ने मंगलवार को मामले की शिकायत एसपी से की। कोतवाल हेमंत मिश्रा ने बताया कि एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सीडा प्राधिकरण ने रखे 18 प्रस्ताव, सड़क और बिजली आपूर्ति में होगा सुधार

वाराणसी, एजेंसी। मंडलायुक्त एस राजलिंगम की अध्यक्षता में सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) जौनपुर 42वीं बैठक कमिश्नरी सभागार में हुई। इसमें 18 प्रस्ताव रखे गए। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, किसानों से भूमि खरीदने और भूखंडों के आवंटन की अनुमति दी गई। साथ ही सीडा प्राधिकरण में ऑपरेटिंग मैन्युअल 2024 को लागू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र के विकास, आधारभूत संरचना को मजबूत करने और निवेश को बढ़ावा देने पर बात की गई। साथ ही चल रही परियोजनाओं की समीक्षा हुई। मंडलायुक्त ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की सड़कें अच्छी होनी चाहिए। बिजली आपूर्ति और जलापूर्ति की व्यवस्था बेहतर बनाई जाए। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाई जाए। उद्यमियों को सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए औद्योगिक विकास को गति दी जाएगी। रोजगार सृजन एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। सीडा के अधिसूचित क्षेत्र की ग्राम पंचायतों से स्टांप शुल्क के रूप में प्राप्त 2त्र धनराशि विकास पर खर्च होगी। जौनपुर के डीएम दिनेश चंद्र वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

साइबर ठगी की रकम को जालसाज ने पेट्रोल पंप के खाते में भेजा

गोरखपुर, एजेंसी। शहर के एक पेट्रोल पंप में साइबर ठगी की रकम ऑनलाइन ट्रांसफर होने के बाद जालसाज ने 30 हजार रुपये नकद ले लिए। पंप के खाते में रकम होल्ड होने के कारण मालिक को असामान्य स्थिति का पता चला। सेल्समैन ने मामले की शिकायत गोरखनाथ थाना पुलिस से की और शहर में सक्रिय संगठित गिरोह पर संदेह जताते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आरोपी पहले से पंप पर आता-जाता था। उसने पहचान बनाने के बाद भरोसे का फायदा उठाया और जरूरत का हवाला देते हुए 30 हजार रुपये की मांग की। सेल्समैन ने भरोसा कर यूपीआई के माध्यम से खाते में रकम ट्रांसफर कर दी और जालसाज को नकद 30 हजार रुपये सौंप दिए। बाद में बैंक की ओर से खाते में आए रुपये की जांच की गई तो पता चला कि यह रकम साइबर ठगी से जुड़ी थी। बैंक ने रकम होल्ड कर दी और पेट्रोल पंप को वास्तविक भुगतान नहीं मिला। छानबीन में यह भी पता चला कि जालसाज ने बंगलूरू में हुई साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर किया था। पुलिस अब बैंक खातों, ट्रांजेक्शन डिटेल और साइबर लिंक की जांच कर रही है। गोरखनाथ थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन चल रही है और जल्द ही गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

स्कूल बस से कुचलकर साइकिल सवार मासूम की मौत

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में खखरेरु-दामपुर मार्ग पर बुधवार सुबह चकिया गांव के पास एक अनियंत्रित स्कूली बस ने साइकिल से जा रहे कक्षा दो के छात्र को कुचल दिया। इस हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूली बस काफी तेज रफ्तार में थी और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिससे साइकिल सवार छात्र बस के पहिए के नीचे आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छात्र को अस्पताल ले जाने का मौका भी नहीं मिला और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने खखरेरु-दामपुर मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया है। उनकी मांग है कि आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी हो और स्कूल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई की जाए। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी (सीओ) कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए हैं।

शहर में अब तक 40-50 ट्रांसप्लांट

डॉ. रोहित के इशारे पर चलता था खेल, शिवम ने पुलिस को घुमाया

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में अब तक 40 से 50 किडनी ट्रांसप्लांट हुए हैं। वह डॉ. रोहित से जब से जुड़ा है तब से आठ से नौ ऑपरेशन किए गए हैं। डॉ. रोहित ही किडनी रोगियों को कानपुर भेजता है। उसके साथ शहर के कुछ अन्य लोग जुड़े हुए हैं। यह जानकारी जेल गए शिवम अग्रवाल ने मंगलवार को पुलिस को अपने बयान में दी। उसने कहा कि उसके पास डॉ. रोहित की कॉल आया करती थी। वह नर्सिंगहोम की जिम्मेदारी देखता था। पुलिस ने उससे 15 तरह के सवाल किए। डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी ने बताया कि आहूजा हॉस्पिटल के स्टाफ कल्याणपुर निवासी शिवम अग्रवाल को बयान हुआ। जांच अधिकारी ने उससे 15 सवाल किए लेकिन उसने किसी का भी सही जवाब नहीं दिया। उसके मोबाइल के डीजी लॉकर का पासवर्ड पूछा गया, जिसकी जानकारी से उसने इन्कार किया। कहा कि वह मोबाइल का पैटर्न भूल गया है।

मुदस्सर अली सिद्दीकी और अन्य किसी के बारे में जानकारी नहीं: बाहर आने पर ही बता सकेगा। प्रयागराज के नवीन पांडेय के संबंध में जानकारी की गई, तो उसका कहना था कि वह भी उसकी तरह डॉ. रोहित के लिए कार्य कर रहा है। कानपुर के कई नर्सिंगहोम के लोग उससे जुड़े हुए हैं। ऑपरेशन के लिए आए मुदस्सर अली सिद्दीकी और अन्य किसी के बारे में कोई खास जानकारी नहीं है। किडनी ट्रांसप्लांट के डोनर और रिसीवर को कुछ दिनों तक शहर में रखा जाता था।

वह ओटी मैनेजर है, इसका पता नहीं है : वहां से लखनऊ या दिल्ली के बड़े अस्पताल में भेज दिया जाता था। साउथ अफ्रीका की अरेबिका दिल्ली से डॉ. रोहित के माध्यम से शहर आई थी। वह कब और किस तरह से भारत आई इसकी जानकारी नहीं है। मुदस्सर अली को सर्जन बताकर लाया गया था। वह ओटी मैनेजर है, इसका पता नहीं है। डीसीपी पश्चिम के मुताबिक शिवम अग्रवाल का पुलिस कस्टडी रिमांड लिया जाएगा। उससे फिर पूछताछ होगी।

किडनी ट्रांसप्लांट के दौरान डॉ. दंपती को मना था ओटी में जाना : आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के दौरान डॉ. आहूजा दंपती को भी ऑपरेशन थियेटर में जाने की इजाजत नहीं थी। डॉ. रोहित हॉस्पिटल के सारे गेट बंद करा देता था। हॉस्पिटल के स्टाफ और यहां तक की डॉ. सुरजीत सिंह आहूजा और डॉ. प्रीति आहूजा को घर जाने के लिए कह दिया जाता था। यह जानकारी पुलिस को मो. फैज से पूछताछ में हुई है।

डॉ. रोहित और शिवम अग्रवाल का नाम सामने आ रहा : मो. फैज को शिवम अग्रवाल ने मुजफ्फरनगर की पारुल तोमर की देखरेख के लिए रखा था। उसको पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी के मुताबिक किडनी ट्रांसप्लांट के मास्टरमाइंड के रूप में डॉ. रोहित और शिवम अग्रवाल का नाम सामने आ रहा है। पुलिस को गिरोह में कई लोगों के शामिल होने की संभावना है।

आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 2.75 लाख रुपये संचालकों को दिए गए हैं। डॉ. रोहित सभी स्टाफ की छुट्टी करा देता था। देर रात किडनी ट्रांसप्लांट कराने के बाद डोनर और रिसीवर को अलग अलग नर्सिंगहोम में शिफ्ट कर दिया जाता था। डोनर और रिसीवर की देखभाल के लिए पांच से छह हजार रुपये के पैरामेडिकल स्टाफ नियुक्त कर रखे थे।

इनके ऊपर ही दवा देने, इंजेक्शन लगाने और ग्लूकोज चढ़ाने की जिम्मेदारी थी। पारुल तोमर की देखरेख कर रहे मो. फैज ने पूछताछ में बताया कि उसे बताया गया था कि महिला का गाल ब्लाडर का ऑपरेशन हुआ है। उसको सादे कागज पर एंटीबायोटिक, पेन किलर देने का परामर्श लिखकर दिया गया था।

शादी से कम नहीं होती जुर्म की गंभीरता, कोर्ट ने दुष्कर्म के दोषी को सुनाई 20 साल की सजा

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर जिले में नाबालिग बालिकाओं के संरक्षण और उनके अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए जौनपुर की अदालत ने नजीर पेश की है। अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट प्रथम) उमेश कुमार द्वितीय की अदालत ने मंगलवार को सरपतहां थाना क्षेत्र की 15 वर्षीय किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 15 हजार का जुर्माना भी लगाया, जुर्माना राशि पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं।

अभियोजन के अनुसार, 17 जुलाई 2019 को आरोपी युवक पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसके घर से भगा ले गया था। तलाश के बाद भी जब किशोरी नहीं मिली तो उसकी मां ने प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि आरोपी पीड़िता को मुंबई ले गया था, जहां उसने शादी कर ली। उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस मामले में पुलिस ने जांच कर चार्जशीट अदालत में दाखिल की थी।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने आरोपी से शादी होने के कारण अपने बयान बदल दिए और पक्षद्रोही घोषित हो गई। इसके बावजूद, अदालत ने स्पष्ट किया कि पॉक्सो एक्ट का मूल उद्देश्य 18 साल से कम आयु की बालिकाओं का संरक्षण करना है।

ताजमहल देखने के लिए वेबसाइटों से बुक करें टिकट, साइबर ठग हुए सक्रिय, सतर्क रहने की जरूरत

आगरा, एजेंसी। ताजमहल देखने के लिए ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों से धोखाधड़ी के लिए साइबर ठगों ने फर्जी वेबसाइट का जाल बिछाया है। धोखाधड़ी की शिकायतें सामने आने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) ने पर्यटकों से सतर्क रहने की अपील की है।

ताजमहल देखने के लिए हर साल 10 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आगरा पहुंचते हैं। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट की दर 1100 रुपये और सार्क देशों के पर्यटकों के लिए 540 रुपये निर्धारित है। साइबर ठग फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन टिकट बेच रहे हैं।

आगरा एएसआई सर्किल की अधीक्षण पुरातत्वविद स्मिथा एस. कुमार ने बताया कि इंटरनेट पर एक फर्जी वेबसाइट   सक्रिय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस फर्जी वेबसाइट से खरीदे गए टिकट मान्य नहीं होंगे और ऐसे पर्यटकों को स्मारक में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही, इस पोर्टल पर भुगतान करने से पर्यटक बड़ी साइबर धोखाधड़ी का शिकार भी हो सकते हैं, इसलिए भूलकर भी फर्जी वेबसाइट से टिकट न खरीदें।

इन वेबसाइटों से बुक करें टिकट : एएसआई के अनुसार, धोखाधड़ी से बचने के लिए केवल तीन तरीकों से ही टिकट बुक करें। टिकट बुक करने के लिए दो वेबसाइट   हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप नंबर +91 8422889057 पर मैसेज भेजकर सुरक्षित तरीके से टिकट बुक कर सकते हैं।

अब मेडिसिन वार्ड में जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को पीटा, उपचार बीच में छोड़ मरीज को घर ले गए

गोरखपुर, एजेंसी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि ब्लड सैंपल को लेकर उन्होंने कहा कि जांच के लिए लंबी लाइन लग रही है, ऐसे में दोनों सैंपल एक साथ ले लिए गए होते तो बेहतर होता। इसी बात को लेकर प्रदीप और जूनियर डॉक्टरों के बीच कहासुनी हो गई। प्रदीप का आरोप है कि डॉक्टरों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर उनके साथ मौजूद भाई मंदीप के साथ मारपीट की।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन वार्ड नंबर 11 में अब जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर विवाद हो गया। सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले मरीज के तीमारदारों ने मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों पर मारपीट और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। विवाद के बाद परिजन उपचार बीच में छोड़कर मरीज को लेकर घर चले गए।

जानकारी के अनुसार, सिद्धार्थनगर जिले के उसका बाजार थाना क्षेत्र के मधवापुर गांव के रहने वाले प्रदीप ने अपने 73 वर्षीय पिता शिवप्रसाद को सोमवार की देर रात सांस फूलने की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया था।

मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों ने जांच के लिए ब्लड का सैंपल लिया। प्रदीप का आरोप है कि वह यूजर चार्ज काउंटर पर शुल्क जमा करने के बाद सेंट्रल पैथोलॉजी में सैंपल देकर लौटे ही थे कि डॉक्टरों ने दोबारा ब्लड सैंपल लेकर दूसरी जांच कराने के लिए कहा।

प्रदीप का कहना है कि इस पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि, जांच के लिए लंबी लाइन लग रही है, ऐसे में दोनों सैंपल एक साथ ले लिए गए होते तो बेहतर होता। इसी बात को लेकर प्रदीप और जूनियर डॉक्टरों के बीच कहासुनी हो गई। प्रदीप का आरोप है कि डॉक्टरों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर उनके साथ मौजूद भाई मंदीप के साथ मारपीट की।

मारपीट के दौरान वार्ड में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। विवाद से आहत परिजन बाद में मरीज को लेकर अस्पताल से घर लौट गए। इस संबंध में गुलरिहा थाना प्रभारी इत्यानंद पांडेय ने बताया कि मामले में अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अक्तूबर 2024 में महराजगंज जिले से अपनी दादी का इलाज कराने आए युवक को 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंद कर बुरी तरह पीटा था। यह भी आरोप था कि समझौता पेपर पर जबरन हस्ताक्षर करा लिए गए। जानकारी होने पर एक सीनियर डॉक्टर ने युवक को आरोपियों की पहचान के लिए बुलाया मगर जूनियर डॉक्टर फोन बंद कर गायब रहे थे।

मार्च 2025 में मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने आए एक मरीज के तीमारदार से जूनियर डॉक्टरों की कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वार्ड में मौजूद जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को पीट दिया था। सूचना पर पहुंची मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने मामले को शांत कराया था।

मेडिसिन विभाग में जूनियर डॉक्टरों और तीमारदारों में मारपीट की घटना की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा हुआ है तो जांच कराकर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी:

डॉ. रामकुमार जायसवाल, प्राचार्य, बीआरडी

सेंट्रल मार्केट में 44 अवैध निर्माण होंगे सील, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश; टीम को व्यापारियों ने घेरा

मेरठ, एजेंसी। शास्त्रीनगर नगर सेंट्रल मार्केट प्रकरण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 44 आवासीय भूखंडों में हो रही व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करने के आदेश दिए हैं। इनमें चल रहे स्कूल, नर्सिंग होम और बैंक्वेट हॉल के खिलाफ भी आदेश दिए गए हैं। अस्पतालों से मरीज शिफ्ट करने का दायित्व जिला प्रशासन को दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे स्कूल और अस्पताल सील करने के आदेश दिए हैं। सुनवाई की अगली तिथि नौ अप्रैल निर्धारित की गई है। शाम को अदालत के आदेश से अवगत कराने पहुंची आवास विकास की टीम का व्यापारियों ने विरोध करते हुए घेराव किया।

सोमवार को न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन ने सुनवाई की। आवास एवं विकास परिषद की ओर से सेंट्रल मार्केट के 860 भूखंड में से 44 ऐसे भवनों की सूची दी गई, जो पूर्णतः व्यावसायिक हैं। इनमें छह स्कूल, छह अस्पताल और चार बैंक्वेट हॉल समेत शोरूम, दुकानें चल रही हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की जान जोखिम में है। कोई हादसा होता है तो बच्चों की जान भी जा सकती है। अदालत ने आवासीय भवनों में दिए गए बिजली कनेक्शन की जानकारी मांगी। इस पर आवास एवं विकास परिषद के अधिवक्ता की ओर से बताया गया कि व्यावसायिक कनेक्शन दिए गए हैं। अदालत ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए पूछा कि बिजली का कनेक्शन कैसे दिया गया है। नोटिस जारी कर पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) से इस पर जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता लोकेश खुराना के वकील तुषार जैन ने मामले में बहस की। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति परिषद की अन्य योजनाओं में भी है। लोकेश खुराना ने बताया कि कोर्ट ने स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों का दूसरी जगह दाखिला कराने और अस्पतालों में भर्ती मरीजों को अगली सुनवाई तक दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट करने के लिए कहा है।

नौटंकी ने भ्रष्टाचार पर किए चुटीले प्रहार

लखनऊ, एजेंसी। भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह के तीसरे दिन आतमजीत सिंह के निर्देशन में नौटंकी 'ये कैसा इंसाफ' के मंचन ने विलुप्त हो रही इस विधा से दर्शकों को रूबरू कराया। बीएम शाह प्रेक्षागृह में मंचित इस नौटंकी को आतमजीत सिंह ने ही लिखा है। समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर किए गए चुटीले प्रहारों ने दर्शकों बांधे रखा। सहायक निर्देशन सरबजीत सिंह का रहा।

नौटंकी में लोगों के बीच आपसी झगड़ों और अदालत में उलझे फैसलों को मंच पर उतारा गया। पहला मुकदमा छैला और छबीला का है। छैला अपने बड़े भाई छबीला से खेत जोतने के लिए बैल मांग कर ले जाता है, जब वापस करता है तो बैल की पूंछ कटी होती है। काजी के सामने अपने बयान पर छैला बताता है कि जुताई के दौरान झटका लगने से बैल की पूंछ कट गई थी। काजी जैसे ही फैसला सुनाने लगता है, छैला चुपके से अशर्फियों की थैली उसको पकड़ाता है और फैसला अपने हक में करवा लेता है।

दूसरा मुकदमा काज़ी के पास भोला नाम का व्यक्ति लेकर आता है और छैला पर इल्ज़ाम लगाता है कि छैला ने पुल से छलांग लगाई और सीधा उसके पिता पर आ गिरा, जो नाव से वहां गुजर रहे थे। छैला फिर काज़ी को रिश्वत देकर फैसला अपने हक में करवाता है।

तीसरा मुकदमा सराय की एक मालकिन चंदनबाई का है, उसके बच्चे को वहां ठहरा हुआ यात्री छैला पालने में झुलाता है। इस बार भी छैला फंस जाता है। अनोखी घटनाओं, चुटीले संवादों, हास्य-व्यंग्य से भरपूर प्रस्तुति ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। गगनदीप सिंह, पंकज सत्यार्थी, प्रियांक, अभिजीत, श्रेया और आदित्य ने मुख्य भूमिका निभाई। जयनित्य, आंचल, अकील, अलंकार, शिवदीन, शिखा, अमर, वान्या ने भी अभिनय किया।

एआई से सशक्त होगी सरकारी स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था

लखनऊ, एजेंसी। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि एआई को शिक्षा व्यवस्था को सशक्त करने वाले माध्यम के रूप में अपनाना ही होगा। शिक्षकों को जानकारी देते हुए कहा कि आज एआई का जमाना है। इसलिए समय के साथ इसे समझ जरूरी है।

मौका था बेसिक शिक्षा विभाग व संपर्क फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम एआई फॉर एजुकेशन इंपैक्ट स्टेट एक्शन डायलॉग का। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने की।उन्होंने बताया कि कार्यशाला का लक्ष्य शिक्षकों को एआई आधारित नवाचारों से परिचित कर उन्हें प्रशिक्षित करना है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा सकेगा। संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से इस पहल को बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कई ऐसे परिषदीय विद्यालय हैं जहां प्रवेश के लिए उत्साह बढ़ा है जो शिक्षकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। स्वयं शिक्षिका रहने का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बदलाव की इस प्रक्रिया को उन्होंने करीब से महसूस किया है और जिस तरह दुनिया एआई के साथ आगे बढ़ रही है, उसी तरह अब प्रदेश के शिक्षक और विद्यार्थी भी कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेंगे। वर्तमान में 19 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों के एक लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बरेली में फैज और चंद्रकांति हॉस्पिटल को नोटिस, पंजीकरण निरस्त करने की चेतावनी

बरेली, एजेंसी। बरेली के मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को शहर के विभिन्न अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई अनियमितताएं मिलीं। फैज और चंद्रकांति हॉस्पिटल को नोटिस दिया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह की अध्यक्षता में गठित विशेष टीम में डॉ. लईक अहमद, डॉ. अनुराग अग्रवाल और अमीर बेग शामिल रहे।

बिना डिग्री के काम करते मिले कर्मचारी : अस्पताल प्रशासन अग्नि सुरक्षा (फायर एनओसी), बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संबंधित कोई भी अनिवार्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। अस्पताल में बिना किसी नर्सिंग डिग्री के नगमा, अफसाना और हिदायत काम करते मिले। निरीक्षण के दौरान महिला स्टाफ द्वारा टीम के साथ अभद्र व्यवहार भी किया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है।

आयुष्मान कार्ड धारक से वसूले रुपये

टीम जांच के लिए फैज हॉस्पिटल, चंद्रकांति हॉस्पिटल और आईनोवा हॉस्पिटल पहुंचीं। फैज हॉस्पिटल में मरीज सितारा के परिजनों ने टीम को बताया कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद उनसे जांच के नाम पर करीब 6000 रुपये नकद वसूले गए। गांव नौगवां ठाकुरान निवासी मरीज सुनीता के नाम पर बिहार के अररिया जनपद का संदिग्ध आयुष्मान कार्ड लगा मिला, इसकी जानकारी स्वयं मरीज या उसके पति को नहीं

चंद्रकांति हॉस्पिटल पर भी लगा आरोप

चंद्रकांति हॉस्पिटल में भर्ती मरीज राहुल और किरन ने बताया कि उनसे इलाज के दौरान जांच के पैसे लिए गए हैं। वहीं, मरीज पप्पू को आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा था। बायो-मेडिकल वेस्ट के निस्तारण में भी यहां लापरवाही मिली। आईनोवा हॉस्पिटल का निरीक्षण सकारात्मक रहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने कहा कि लापरवाही मिलने पर नोटिस दिया गया है। भविष्य में ऐसी शिकायतों की पुनरावृत्ति हुई, तो संबंधित अस्पतालों का आयुष्मान योजना के अंतर्गत पंजीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 931 अंक, निफ्टी 222 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ।

बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं निफ्टी भी कमजोर

रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

प्रीमियर एनर्जीज को 2,577 करोड़ के मिले ठेके

नई दिल्ली ।

प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 1,600 मेगावाट सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा इन ठेकों का निष्पादन वित्त वर्ष 2027-28 और 2028-29 के दौरान किया जाएगा।इसमें कहा गया कि बढ़ती ऑर्डर बुक कंपनी के विस्तार को दर्शाती है। सितंबर 2026 तक सौर सेल क्षमता 10.6 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता हाल ही में बढ़ाकर 11.1 गीगावाट की गई है। प्रीमियर एनर्जीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ठेकों की यह मजबूत आमद विनिर्माण क्षमताओं एवं हमारे प्रौद्योगिकी खाके पर ग्राहकों के भरोसे को दर्शाती है।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

– किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू- 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू- 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

भारत-अमे रिका की आपूर्ति श्रंखलाओं को मजबूत करेगा नया व्यापार सुगमता पोर्टल

नई दिल्ली ।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ नया व्यापार सुगमता पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल दोनों देशों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और नए व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा। मिस्री ने बताया कि यह पोर्टल एक सेतु का कार्य करेगा, जो मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगा और नए व्यापारिक अवसरों को उत्पन्न करने में मदद करेगा। पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायियों के लिए सहयोग और संपर्क को सरल बनाना है। विदेश सचिव बुधवार से अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका में हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक घटनाक्रम जैसे मध्य पूर्व संकट पर चर्चा करेंगे। इस अवसर पर अमेरिका में भारत के राजदूत समेत दोनों देशों के वरिष्ठ

अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले वर्ष मई में कुछ तनाव देखा गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित दावों और वाशिंगटन द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क के बाद रिश्तों में गिरावट आई थी।

फरवरी में दोनों देशों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम समझौते के ढांचे पर सहमति व्यक्त की।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

. मूल्य वृद्धि और स्थिर मांग से बाजार में 10ण्5 फीसदी की उच्चतम तिमाही वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली

। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फार्मारैक के अनुसारए चौथी तिमाही में लगभग 10ण्5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गईए जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी ;5ण्4द्5ण्5 फीसदीद्ध का रहाए जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहाए लगभग 1ण्7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी. जनवरी में 10ण्2ए फरवरी में 11 ;शीर्षद्ध और मार्च में 10ण्1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर हैए बल्कि धीरे.धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वॉल्यूम ग्रोथ और बढ़ती हैए तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव तेल बाजार में फिर उछाल, वैश्विक सप्लाई पर चिंता

स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग

नई दिल्ली ।

सीजफायर के बाद राहत की उम्मीद कर रहे तेल बाजार को नए झटके का सामना करना पड़ा है। एक दिन की गिरावट के बाद ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में तेज उछाल आया है। यह अनिश्चितता मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के संचालन को लेकर बनी रही। ब्रेंट क्रूड लगभग 2.86 फीसदी बढ़कर 97.46 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.56 फीसदी चढ़कर 97.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। पिछले कारोबारी सत्र में दोनों बेंचमार्क 100 डॉलर के नीचे फिसल गए थे, जिसमें डब्ल्यूटीआई ने अप्रैल 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। स्ट्रेट आफ होर्मुज वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी मार्ग है।

ईराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसी प्रमुख तेल उत्पादक देशों के निर्यात इसी मार्ग से होते हैं। इसलिए इस मार्ग में किसी भी बाधा से पूरी दुनिया में तेल की कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। सीजफायर की घोषणा के बावजूद बुधवार को इस स्ट्रेट से केवल 4 जहाज गुजर पाए। ईरान ने कहा कि वह रोजाना केवल 12

जहाजों को ही गुजरने देगा और टोल वसूलेगा, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे टोल फ्री करने का दावा किया। इस भिन्न रुख से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल का तनाव अब तक के सबसे बड़े तेल संकटों में से एक बन सकता है। पहले यह तनाव कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक ले गया था, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर था। शिपिंग कंपनियां स्पष्टता मिलने तक आवाजाही सामान्य नहीं करेंगी, जिससे वैश्विक सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

सिग्नेचर ग्लोबल की 2025.26 में बिक्री बुकिंग घटकर 8ए220 करोड़ रही

पिछले साल कंपनी की बिक्री बुकिंग 1.620 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की वित्त वर्ष 2025.26 में बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रही।

वहीं चौथी ;जनवरी.मार्चद्ध तिमाही में बिक्री बुकिंग ;प्री.सेल्सद्ध पांच प्रतिशत घटकर 1ए540 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 1ए620 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025.26 में उसकी बिक्री बुकिंग 20 प्रतिशत घटकर 8ए220 करोड़ रुपये रह गईए जो 2024.25 में 10ए290 करोड़ रुपये थी। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित आरएमजेड समूह के साथ संयुक्त उद्यम के जरिये वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक कदम उठाया है। यह संयुक्त उद्यम 18 एकड़ के वाणिज्यिक परियोजना के विकास

में करीब 7ए500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने कहा` कि आगे बढ़ते हुए हम विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित रखेंगेए साथ ही उच्च.विकास वाले सूक्ष्म बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे। वित्त वर्ष 2025.26 की शुरुआत में सिग्नेचर ग्लोबल ने 12ए500 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा था। हालांकिए तीसरी तिमाही के बाद कंपनी ने कहा था कि गुरुग्राम के आवासीय बाजार में मांग नरम पड़ने के कारण वह यह लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव में अस्थायी राहत के बावजूद सप्लाई संकट से बाजार दबाव में

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल ÷कन्फ्लिक्ट प्रीमियम÷ घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

सीएनजी कारों का जलवा भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली ।

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कॉस्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार` वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर 47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में

निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने`` वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं, जो सालाना 24 फीसदी की बढ़त है। सीएनजी की लोकप्रियता सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रही। बजाज ने दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 लॉन्च की, जबकि टीवीएस ने जूपीटर सीएनजी पर काम शुरू किया है।

रुपया 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। युद्धविराम के बावजूद इजराइल के लेबनान पर बमबारी जारी रखने की स्थिति में ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.63 पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.03 पर रहा।

सोने का भाव 1129 रुपए टूटा, चांदी में 4068 की गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी में गुरुवार को सोने और चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में नरमी देखने को मिली, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। गुरुवार को घरेलू वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों कमजोर रुख के साथ कारोबार करते नजर आए। मल्टी कमो डिटी एक्सचेंज आफ इं डिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 1,129 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,51,776 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट करीब 776 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,51,452 रुपये का उच्च और 1,50,647 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट 4,068 रुपये टूटकर 2,35,850 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,39,918 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह करीब 3,793 रुपये की गिरावट के साथ 2,36,125 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

दिन के दौरान इसने 2,36,187 रुपये का उच्च और 2,35,133 रुपये का निचला स्तर छुआ।

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

– मरीजों के लिए 50 दिन तक मुफ्त रिहैबिलिटेशन सुनिश्चित

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अे धिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों

और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

निंगबो (एजेंसी)। निंगबो, 09 अप्रैल (वेब वार्ता)। आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैंपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना,खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी। वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर–खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइज़ियों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म–अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान–प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

आईपीएल में आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी

जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी = रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स = रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कॉन्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है।

यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं? हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं : ग्रीम स्मिथ

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। महान सचिन तेंदुलकर के बाद से भारतीय क्रिकेट ने ऐसा कोई टीनेजर नहीं दिया है जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हैरान कर दिया हो। इस बीच कई युवा टैलेंटेड खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन वैभव सूर्यवंशी उन सभी से ऊपर हैं। 15 साल और 12 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी एक असाधारण पीढ़ी का टैलेंट है। साथ ही, वह मॉडर्न गेम के लिए एकदम सही प्रोटोटाइप हैं, जो टी20 क्रिकेट में ऑर्डर में ऊपर लगभग अपनी मर्जी से छक्के मारते हैं।

मंगलवार शाम को सूर्यवंशी की काबिलियत का एसिड टेस्ट हुआ। राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में एक बड़े IPL मैच में मुंबई इंडियंस का सामना कर रही थी। इस टीनएजर, जिसने टी20 क्रिकेट में 378 गेंदों पर 68 छक्के लगाए थे, गेम में आने से पहले दुनिया के बेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए तैयार था। सूर्यवंशी का सामना पहले कभी बुमराह से नहीं हुआ था। क्या वह प्रेशर झेल पाएगा? क्या बुमराह अपनी फेमस स्लोअर बॉल या यॉर्कर में से कोई एक डालने वाला था, जिसने कहीं ज़्यादा एक्सपीरियंस और पेडिग्री वाले बैट्समैन को धोखा दिया है? नतीजाः 131.2 किमी प्रति घंटे की लेग-स्टंप हाफ-वॉली।

सूर्यवंशी इससे ज्यादा टेस्टी कुछ नहीं मांग सकता था क्योंकि उसने बॉल को स्टैंड्स में छक्के के लिए जमाकर डिलीवरी का एक हिस्सा खा लिया। इस यंगस्टर ने अपना टेस्ट पास कर लिया है। उसने अब दुनिया के बेस्ट बॉलर को भी मैक्सिमम हिट किया है। यही वह हिम्मत वाला टैलेंट है जिस पर ऋ20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ IPL के शुरुआती हफ्तों के दौरान कड़ी नजर

रख रहे थे।

स्मिथ ने अपने ब्लॉग पर कहा, 'IPL ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और हाई-स्कोरिंग मैचों के साथ। हमेशा की तरह, यह देखना दिलचस्प है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने स्कूल के सुपरस्टार कैसा परफॉर्म करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के इस युवा खिलाड़ी, वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी चाहिए।उसने पहली ही गेंद से पावरफुल होने की अपनी काबिलियत दिखा दी है। एक जवान आदमी के तौर पर, वह टूर्नामेंट के दौरान एक असली सुपरस्टार बन सकता है और मैं यह देखने के लिए सच में बहुत एक्साइटेड हूं कि वह कैसा करता है।'

स्मिथ, जो 2008 में पहला IPL जीतने वाली पहली राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा थे, का मानना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर टी20 टूर्नामेंट ने ग्लोबल क्रिकेट माहौल में क्रांति ला दी है। उनका मानना है कि आईपीएल की सफलता का एसए20 के ज़रिए असर पड़ा है, जिसने साउथ अफ्रीका में क्रिकेट को फिर से जिंदा कर दिया है और अनछुए टैलेंट को सामने आने का मौका दिया है।

स्मिथ ने कहा, 'हमारी छह फ्रेंचाइजी एसए20 की ग्रोथ का एक बहुत बड़ा, ज़रूरी हिस्सा हैं। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें हाई क्वालिटी वाली छह आईपीएल टीमें मिलीं, और वे दुनिया के सबसे अनुभवी फ्रेंचाइजी मालिक हैं। वे बहुत कॉम्पिटिटिव हैं, वे जीतना चाहते हैं, और वे कोचिंग से लेकर मेडिकल केयर तक, हर जगह क्रिकेट और बिज़नेस में बेहतरीन काम करते हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी के पास शानदार स्काउट्स हैं - उन्हें जो टैलेंट मिलता है वह हमेशा सिस्टम से नहीं आता है। जब आप क्रिकेट इकोसिस्टम को फिर से बनाने और बढ़ाने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो ऐसे पार्टनर होना कमाल की बात है।'

उन्होंने कहा, 'IPL से मुकाबला करना लगभग नामुमकिन है, लेकिन हम खुशकिस्मत हैं कि वे हमारे साथ बहुत खुले रहे हैं, और शुरुआती दौर में हमें बड़ी सफलता दिलाने में मदद की है। हम सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है, लेकिन टी20 ग्रोथ फॉर्मेट है। यह खेल में प्राइवेट ओनरशिप ला रहा है और हम अब बहुत ज़्यादा वैल्यूएशन देख रहे हैं। दुनिया भर के लोग क्रिकेट को गंभीरता से ले रहे हैं, इस पर बहुत ज्यादा लोग नजर रख रहे हैं और यह सभी खास मार्केट में बढ़ रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले चार से पांच सालों में यह कहाँ तक जा सकता है, जब खेल में प्राइवेट ओनरशिप होगी और 2028 के ओलंपिक आने वाले हैं।'

डॉक्टर की बात नहीं मानी, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं राशिद खान

नई दिल्ली - कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने संकेत दिए हैं कि वह जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। राशिद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए फिट रहने की है। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है लेकिन इसके बावजूद पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर डाले और 11 विकेट लिए थे। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, 'यह काफी कठिन सवाल है। डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद मैने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला।' उन्होंने कहा, 'डॉक्टर ने मुझसे कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो।'

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि खुद पर अधिक बोझ नहीं डालूं।' आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'आप काफी कठिन सवाल पूछ रहे हैं। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं 100 टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो 100 साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं है।'

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2–0 से हराया

पेरिस। पेरिस सेंट–जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2–0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई। मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2–0 कर दिया। लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ। इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2–0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा। वहीं, लिवरपूल के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सेमीफाइनल में जगह दांव पर लगी है।

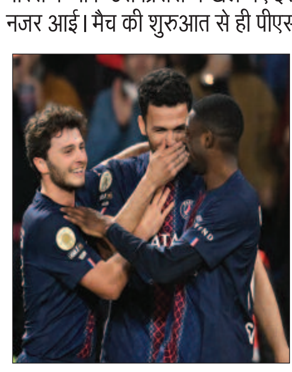

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नहीं है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्रॉफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फॉर्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फॉर्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए। उम्मीद है कि उनका समय फिर आएगा, क्योंकि वह इसके योग्य हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे।

विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यॉर्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। । वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है। इस गेंदबाज की प्राथमिकता रफ्तार नहीं बल्कि फिटनेस और तकनीक को बेहतर बनाना है।

राहुल के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज केएल राहुल के अर्धतक के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से हार गयी। इस मैच में राहुल ने 92 रनों की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था पर इसके बाद भी टीम उसका लाभ नहीं ले पायी और उसे केवल 1 रन से हार झेलनी पड़ी। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान 52 गेंदों पर 11 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि इस आक्रामक पारी के बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हुआ है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये रिकार्ड है किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन बनाने के बाद भी उसकी टीम को मिलने वाली हार। इससे पहले ये रिकार्ड आरसीबी के विराट कोहली और मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के नाम है।

अब राहुल भी इस क्लब में शामिल हो गये हैं। राहुल ने मैच में 92 रनों की शानदार पारी खेली पर इसके बाद भी उनकी टीम हारी। राहुल इसी के साथ आईपीएल में टीम की हार में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-5 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। राहुल के आईपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने इस रंगारंग लीग में अभी तक खेले 153 मैचों में 45.21 की औसत और 136.41 के स्ट्राइक रेट के साथ 5335 रन बनाए हैं। इसमें से 2515 रन टीम की हार में आए। इसका मतलब है कि राहुल के आईपीएल करियर में 47 फीसदी रन तब बने जब उनकी टीम हारी है। वहीं विराट के नाम टीम की हार में भी सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। कोहली ने अपने आईपीएल करियर में 269 मैचों में 8758 रन बनाए हैं, जिसमें से 3731 रन ऐसे हैं जिनके बाद भी उनकी टीम हारी है। वहीं रोहित के 2764 रन तब बने जब टीम हारी है। वहीं शिखर धवन 2768 और डेविड वॉर्नर

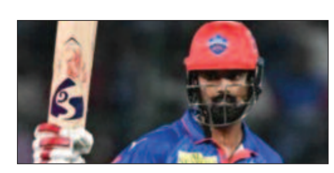

के 2768 रनों के बाद भी टीम हारी है। राहुल 2515 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं। राहुल शुरुआती दो मैचों में रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत के करीब ला दिया था पर अंतिम ओवरों में डेविड मिलर की एक गलती से मैच टीम के हाथों से फिसल गया।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

उलानबटोर (मंगोलिया) (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुवाई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस (पूर्व नाम जुटामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) ने भी रजत पदक हासिल किया। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते। कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे। मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर भारत के लिए दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता और शानदार शुरुआत की। प्रीति ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बेहतरीन लय को बरकरार रखा। उन्होंने तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। इसके बाद प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर प्रभावित किया।

इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है। अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत:-जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हड्डियां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

मुझे एयरोफोबिया है और मैं थेरेपी लेने पर विचार कर रहा हूं

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।

बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।

हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।

अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं। बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आज़ादी बहुत मायने रखती है।'

रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव

रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म

बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है। अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।'

साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

झांसी में रूह कंपा देने वाले दोहरे हत्याकांड का खुलासा : गुजरात से लाई गई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, मासूम बेटे को जिंदा जलाया

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल एक शख्स ने अपनी प्रेमिका और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे को गुजरात से झांसी लाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जहां महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, वहीं उसके मासूम बेटे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा महिला की पहचान होने के बाद बुधवार को हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना का पता 5 अप्रैल को चला था, जब झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला का शव बरामद हुआ। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि जिस घर के पास महिला का शव मिला, वह चतुर्भुज का है। पुलिस ने चतुर्भुज की पत्नी हेमलता से फोन पर संपर्क किया, जिसने खुलासा किया कि वह दिल्ली में है और उसके पति चतुर्भुज के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज नीलू को अपनी पत्नी की तरह रखता है और उसके साथ उसका तीन साल का बेटा कृष्णा भी रहता है।

यूपी में किडनी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में किडनी तस्करी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट का लेकर खुलासा हुआ है। कानपुर पुलिस को गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले हैं, जिसमें एक में लिवर ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। इस समूह में 700 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें किडनी और लिवर से जुड़े दलाल और आरोपी शामिल हैं। इससे पुलिस का ध्यान अब मानव अंगों की व्यापक तस्करी की ओर बढ़ गया है। किडनी कांड से जुड़े बड़े आरोपी बागपत निवासी परवेज सैफी को हाल ही में जेल भेजा गया। उसके पास से 9.05 लाख बरामद हुए। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना गाजियाबाद का डॉ.रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों के जरिए ऑपरेशन टीम, किडनी एजेंट और अन्य आरोपी सदस्यों से संपर्क करता था। उसकी सभी नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स (सीडीआर) निकाली जा रही हैं। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पहले ही टेलीग्राम ग्रुप में किडनी डोनर से जुड़ी जानकारी मिली थी। अब लिवर डोनर वाले तीसरे ग्रुप की पहचान हुई है। गिरोह का दावा है कि यह लोग सिर्फ किडनी ही नहीं, बल्कि लिवर ट्रांसप्लांट भी करवा रहे थे।

फिर सामने आया महबूबा का पाकिस्तान प्रेम...संघर्ष को रुकवाने के लिए दिया धन्यवाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बयानबाजी एक बार फिर बहस छिड़ गई है, जिसमें पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और वर्तमान सीएम उमर अब्दुल्ला के बयान चर्चा का केंद्र में हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच हालिया तनाव और संघर्षविराम को लेकर दोनों नेताओं ने अलग-अलग बयान दिए हैं। जहां उमर ने कहा कि मौजूदा संघर्ष की असली कुंजी अब भी अमेरिका के हाथ में है।

उनका मानना है कि यदि अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इजराइल को नियंत्रित नहीं करता, तब संघर्षविराम लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि यह टकराव ईरान पर थोपा गया है और इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक शक्तियां स्थिति को कैसे संभालती हैं। उमर ने लेबनान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताकर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर संघर्ष और भड़क सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते बयानों की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि इस तरह की अस्थिर भाषा वैश्विक स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा करती है। साथ ही उन्होंने भारत-इजराइल संबंधों पर इशारा कर कहा कि इससे भारत की निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती ने संघर्षविराम को राहत भरा कदम बताया, लेकिन उनके बयान विवाद का कारण बन गए। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने संघर्ष के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, जबकि अमेरिका पर नागरिक ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान की सराहना करते हुए कहा कि उसने दबाव के बावजूद मजबूती दिखाई। सबसे अधिक चर्चा उनके उस बयान पर हो रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। महबूबा के अनुसार, पाकिस्तान ने संघर्ष को विश्व युद्ध में बदलने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिमला में अप्रैल में दिसंबर जैसी ठंडी का अहसास... न्यूनतम तापमान .6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल माह में अभूतपूर्व ठंड दर्ज की गई है, इस ठंड ने पिछले 23 वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। इससे पहले 22 अप्रैल 2021 को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 2003 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह अप्रैल की सबसे ठंडी रात रही। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के कारण मौसम जनवरी-फरवरी जैसा ठंडा हो गया है। राज्य के तीन शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि कई स्थानों पर यह 5 डिग्री से भी कम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम रहा, जबकि कुछ जगहों पर यह गिरावट 14 डिग्री तक पहुंच गई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, मंडी में 18.7 डिग्री और मनाली में केवल 8.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री तक सीमित रहा। पिछले एक सप्ताह में राज्य में सामान्य से 169 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2 से 8 अप्रैल के बीच जहां सामान्यतः 16 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस असामान्य मौसम ने ठंड को बढ़ाने के साथ-साथ सेब के बगीचों को भी नुकसान पहुंचाया है।

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मनःपूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया को एक दिन के लिए बैठक से निलंबित किया। अध्यक्ष मुन्नालाल ने बताया कि वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं और केंद्र ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इस सभी सरकारी कार्यालयों में गाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद फौजिया वंदे मातरम गाने के दौरान अनुपस्थित रहीं और बाद में सदन में आकर कार्यवाही में बाधा डालने लगीं। जब सदस्यों ने बताया कि उन्हें उस समय उपस्थित रहना चाहिए था, तब उन्होंने गीत के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस बीच, कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हैं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं। उन्होंने कहा कि उस दिन क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। रुबीना ने कहा कि फौजिया बोल रही थीं और मुझे नहीं पता कि उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह वंदे मातरम नहीं गाएंगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन के लिए निष्कासित कर दिया। मैं पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हूं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं, लेकिन आज क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी।

तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया।

हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का रक्षामंत्री बनने पर दी बधाई, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में नई नियुक्तियों पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बनने पर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वियतनाम के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। वियतनाम की 16वीं राष्ट्रीय सभा ने अपने पहले सत्र के दौरान इसे मंजूरी दी, जो प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के नेतृत्व में 2026-2031 कार्यकाल के लिए नई सरकार का हिस्सा है। यह नियुक्ति 8 अप्रैल को आधिकारिक रूप से घोषित की गई थी। इसी के बाद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जनरल फान वान जियांग के साथ की एक फोटो पोस्ट कर लिखा, 'सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जनरल फान वान जियांग को हार्दिक बधाई। भारत आपके निरंतर नेतृत्व में सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी।'

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे।

हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

विवाद की जड़ें पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष में छिपी हैं। करीब एक हफ्ते पहले, आप ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही उन पर संसद में पार्टी कोटे से बोलने पर भी रोक लगा दी गई। पार्टी नेताओं-अतिशी और सौरभ भारद्वाज-ने चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें बीजेपी के प्रति नरम रुख अपनाना, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। अतिशी ने तो सीधे तौर पर सवाल किया कि क्या चड्ढा प्रधानमंत्री मोदी से सवाल करने में डरते हैं?

इन आरोपों के बीच राघव चड्ढा ने एक बेहद सांकेतिक संदेश साझा किया। उन्होंने रॉबर्ट ग्रीन की प्रसिद्ध पुस्तक की तस्वीर पोस्ट की, जिसका पहला अध्याय है-नेवर आउटशाइन द मास्टर (अपने गुरु से अधिक मत चमको)। चड्ढा का यह पलटवार इशारा करता है कि पार्टी के भीतर उनकी बढ़ती लोकप्रियता ही शायद उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का असली कारण है। फिलहाल, चड्ढा ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके दिलचस्प विचार ने यह साफ कर दिया है कि वह खामोश बैठने के मूड में नहीं हैं।

तमिलनाडु में अफसरों के तबादले पर सियासी संग्राम, स्टालिन ने चुनाव आयोग पर लगाए पक्षपात के आरोप

सीएम, बोले- डीएमके की जीत रोकने की कोशिश; विपक्ष की शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के फैसले पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों को हटाते हुए नई नियुक्तियां कीं। मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदन की जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया गया है, जबकि डीजीपी (सशस्त्र पुलिस, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक) एस. डेविडसन देवसीर्वाथम की जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव-संबंधित पद पर नियुक्त न किया जाए। यह कदम विपक्षी दलों की उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र सत्तारूढ़ डीएमके के पक्ष में काम कर रहा है।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमके स्टालिन ने सवाल उठाया कि हाल ही में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था को संतोषजनक बताया था, फिर अचानक ऐसा क्या बदल गया कि इतने बड़े स्तर पर तबादले करने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ÷बीजेपी की एक शाखा÷ की तरह काम कर रहा है और यह कदम डीएमके की संभावित जीत को रोकने की कोशिश है।

स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ये तबादले विशेष रूप से विपक्षी दल एआईएडीएमके और उसके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने सेलम की

कलेक्टर वृंदा रवि के तबादले का भी उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक रणनीति बताया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या इसी तरह की कार्रवाई बिहार चुनावों के दौरान भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से डीएमके को नहीं रोका जा सकता और उनकी पार्टी चुनाव में मजबूती से उभरेगी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति को और गरमा दिया है।

महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान... अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है।

इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमानित नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं।

अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो। साथ ही, बस लेन को इस तरह डिजाइन करना जरूरी है कि उसमें अन्य वाहन प्रवेश न कर सकें।

वहीं, दिल्ली में बीआरटीएस का अनुभव असफल रहा, जिसका कारण संकरी सड़कों पर निर्माण, भीड़भाड़ वाले चौराहों पर उचित ढांचे की कमी और कमजोर एन्फोर्समेंट था। इन गलतियों से सीख लेकर यदि अन्य शहरों में बेहतर योजना और क्रियान्वयन के साथ बीआरटी सिस्टम लागू किया जाए, तब ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)